RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-287 | जयपुर, शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 | मूल्य-4 रूपये

संसद के विशेष सत्र में तीन बिल पेश, 'महिला आरक्षण विधेयक' पर चर्चा

क्रेडिट का 'ब्लैंक चेक' ले लो, पर बिल पास होने दो: प्रधानमंत्री

पीएम मोदी बोले- यह देश की दशा और दिशा तय करने वाला विधेयक

अखिलेश बोले- बीजेपी नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही

नई दिल्ली

संसद के विशेष सत्र के दौरान आज लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'महिला आरक्षण विधेयक' यानी नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने इस कदम को भारत की विकास यात्रा में एक निर्णायक मोड़ करार दिया। उन्होंने कहा कि हम देश को नई दिशा देने जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यह विधेयक देश की दशा और दिशा तय करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि आज देश के लिए महत्वपूर्ण दिन है। यह 20-25 वर्ष पहले हो जाना चाहिए था, समय समय पर इसमें सुधार होते रहते। सदन के सभी साथियों को यह अवसर मिला है। यहां कुछ लोगों को लगता है, इसमें कहीं न कहीं मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है। इसका अगर विरोध करेंगे तो स्वभाविक है कि राजनीतिक लाभ मुझे होगा। अगर साथ चलेंगे तो किसी को भी नहीं होगा। फिर अलग पहलू हो जाता है। हमें क्रेडिट नहीं चाहिए जैसे ही पारित हो जाए तो मैं एड देकर सबको धन्यवाद देने तैयार हूं। सबकी फोटो छपवा देंगे। ले लो जी क्रेडिट। सामने से क्रेडिट का ब्लैंक चेक आपको दे रहा हूं।

पीएम मोदी ने कहा- हमारे देश में जब जब चुनाव आया है उसमें महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस जिसने विरोध किया है उसका हाल बुरे से बुरा किया है। इसलिए जिन को इसमें राजनीति की बू आ रही है वो खुद के परिणामों को देख लें। इसी में फायदा है जो नुकसान हो रहा है उससे बच जाओगे। इसलिए इसे राजनैतिक रंग देने की जरूरत नहीं है।

देश की आधी आबादी राष्ट्र निर्माण में सहयोग करेगी

मैंने पहले भी कहा है कि हम भाग्यवान हैं कि हमें देश की आधी आबादी को राष्ट्र निर्माण की नीति बनाने की प्रक्रिया में शामिल करने का सौभाग्य मिल रहा है। हम सभी सांसद इस अवसर को जाने न दें। हम भारतीय सब मिलकर के देश को नई दिशा देने जा रहे हैं। हमारी शासन वयवस्था को संवेदनशीलता से भरने का एक सार्थक प्रयास करने जा रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इस मंथन से जो अमृत निकलेगा वो देश की राजनीति की भी रूप स्वरूप को तय करेगा, लेकिन ये देश की दिशा और दशा भी तय करनेवाला है।

मंथन से जो अमृत निकलेगा वो देश की राजनीति बदल देगा

मोदी ने कहा- मुझे विश्वास है कि इस मंथन से जो अमृत निकलेगा वो देश की राजनीति की भी रूप स्वरूप को तय करेगा, लेकिन ये देश की दिशा और दशा भी तय करने वाला है। 21वीं सदी में भारत नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। दुनिया में भारत की स्वीकृति महसूस कर रहे हैं। एक समय हमारे पास आया है। इसे विकसित भारत के साथ जोड़ा है।

मैं यह मानता हूं कि विकसित भारत का मतलब सड़के रेल या संरचना से जुड़े आंकड़े नहीं हैं, लेकिन इसका मतलब नीति निर्धारण में देश की आधी आबादी हिस्सा बने यह भी है। हम पहले ही देर कर चुके हैं। इसे सभी को स्वीकार मानना होगा। जब हम अकेले मिलते हैं, तो यह मानते हैं कि हां ये जरूरी है। लेकिन जो राजनैतिक दिशा में ही सोचते हैं मैं उनहें एक सलाह देना चाहता हूं मित्र के रूप में, जो उनके काम आएगी।

आज विरोध करने वाले लंबे समय तक कीमत चुकाएंगे

पीएम ने कहा- मैं किसी दल की बात नहीं कर रहा हूं। जो भी राजनीति में आगे बढ़ना चाहते हैं उन्हें मानना होगा लाखों बहनें, ग्रासरूट लेवल पर लीडर बन चुकी हैं। इसलिए जो आज विरोध करेंगे उसे लंबे समय तक कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए समझदारी इसी में है कि हम ग्रासरूट लेवल पर महिला लीडरशिप को कंसीडर करना पड़ेगा।

महिला आरक्षण के साथ लेकिन भाजपाई साजिश के खिलाफः अखिलेश

भाजपा जानती नहीं है कि उनसे सबसे ज्यादा दुखी महिलाएं ही हैं। जब हम महिला आरक्षण पर बहस कर रहे हैं तो हमारे बिलकुल बगल में 40 हजार लोग सड़कों पर हैं। वहां महिलाएं धरने पर बैठी हैं। वे इसलिए हैं कि उन्हें न्याय नहीं मिला रहा है। हम महिला आरक्षण के साथ हैं लेकिन भाजपाई साजिश के खिलाफ हैं। देश की सबसे बड़ी आबादी को लेकर ये चुप्पी साधे हैं। जब हम पीएम को सुनते थे तो वे कहते थे कि वे पिछड़े वर्ग से आते हैं। लेकिन संशोधन के नाम पर जो जल्दबाजी दिखा रहे हैं वो जनगणना में जातीय जनगणना न करवाने के लिए है। अखिलेश ने कहा- ये लोग पिछड़े वर्ग की 33 प्रतिशत महिलाओं को उनका हक नहीं देना चाहते हैं। जब परिसीमन की बारी आई तो इन लोगों ने पूरी रणनीति बनाई, कि कैसे क्षेत्र बनाए जाएं कि इसका फायदा इन लोगों को ही मिले।

शाह पर प्रियंका का तंज- चाणक्य जीवित होते तो आपकी चतुराई देख चकरा जाते

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और गृह मंत्री अमित शाह के बीच जुबानी जंग देखने को मिली। प्रियंका गांधी ने कहा, 'एक तरफ महिला आरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें हो रही हैं, तो दूसरी तरफ ओबीसी वर्ग के अधिकार छीने जा रहे हैं। छोटे राज्यों के प्रभाव को कम कर आगामी चुनावों के लिए एक ऐसा ढांचा तैयार किया जा रहा है, जो लोकतंत्र के परखच्चे उड़ाने जैसा है।' बहस के दौरान जब गृह मंत्री अमित शाह मुस्कुराए, तो प्रियंका ने तंज कसते हुए कहा, 'गृह मंत्री हंस रहे हैं, यह पूरी योजना उन्हीं की बनाई हुई है। अगर आज चाणक्य जीवित होते, तो आपकी 'राजनीतिक कुटिलता' देखकर वह भी चकरा जाते। शाह मुस्कुरा रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि मैं जो कह रही हूं, वह सच है।'

शाह बोले - परिसीमन को लेकर फैलाया जा रहा भ्रम

लोकसभा में महिला आरक्षण को लेकर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के भाषण के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कुछ चीजें ऐसी यहां कही गई हैं, जिन्हें स्पष्ट करना जरूरी है, ताकि जनता के मन में आज रात तक कोई भ्रम न रह जाए। एक नैरेटिव खड़ा किया जा रहा है कि यह जो तीन विधेयक हैं, वो आने से दक्षिण की क्षमता लोकसभा में बहुत कम हो जाएगी। हमारे दक्षिण के राज्यों को बहुत बड़ा नुकसान होगा। उन्होंने बताया कि सदन में 543 सांसद हैं। कर्नाटक के करीब 15 फीसदी सांसद यहां आते हैं। संविधान संशोधन के बाद कर्नाटक के सांसदों की संख्या 28 से होकर 42 हो जाएगी। आंध्र प्रदेश की अभी 25 सीटें हैं और उसका प्रतिनिधित्व 4.60% है। उसकी सीटें हो जाएंगी 38 और हिस्सेदारी 4.65 फीसदी हो जाएगी।

बाइक पर पलटी स्कॉर्पियो, पिता-पुत्र समेत 3 की मौत

बीकानेर। बीकानेर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बेकाबू होकर पलट गई और सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में स्कॉर्पियो के ड्राइवर को चोटें आई, जबकि उसके साथ बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नोखा अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद पीबीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। जो बैग, कॉपी-किताबें पिता-पुत्र खरीदकर लाए थे, वो घटनास्थल पर बिखरी मिलीं। हादसा नोखा थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर 2:30 बजे हुआ।

संभल में सरकारी जमीन पर बने इमामबाड़ा-ईदगाह ध्वस्त किए

संभल

संभल के गांव बिछौली में बृहस्पतिवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि पर बने इमामबाड़ा और ईदगाह को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। तनाव को देखते हुए आरआरएफ के साथ भारी पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। गांव बिछौली में स्थित खाद के गड्ढे की जमीन को लेकर तहसीलदार न्यायालय ने जनवरी माह में बेदखली का आदेश जारी किया था।

आदेश के अनुपालन के लिए प्रशासन ने पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी और लेखपालों की एक विशेष टीम गठित की गई थी।

सुबह करीब नौ बजे प्रशासनिक टीम चार बुलडोजरों के साथ मौके पर पहुंची। एसडीएम निधि पटेल की मौजूदगी में अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। बुलडोजरों ने लगातार इमामबाड़ा और ईदगाह के ढांचे को गिराना शुरू किया।

इससे मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। कार्रवाई के दौरान जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई भी मौके पर पहुंचे। दोनों ने अधीनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर की जा रही है। सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त करवाया गया है।

डीएम बोले- जमीन की कीमत साढ़े 6 करोड़

डीएम राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि करीब 7 बीघा जमीन पर 12 साल पहले अवैध कब्जा कर इमामबाड़ा, ईदगाह समेत कई निर्माण किए गए थे। इस जमीन की अनुमानित कीमत करीब साढ़े 6 करोड़ रुपये है। जमीन को खाली कराकर आम जनता के उपयोग में लाया जाएगा, क्योंकि पास में ही एक मेडिकल कॉलेज भी स्थित है।

डीएम राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि शासन ने लैंड बैंक बनाने का आदेश दिया है, ताकि आम जनता के सार्वजनिक कार्यों के लिए जमीन उपलब्ध कराई जा सके। इसी क्रम में गुरुवार को तहसीलदार कोर्ट के निर्देश पर दो अलग-अलग सरकारी जमीनों से अवैध निर्माण हटाया जा रहा है।

गाजियाबाद में 200 झोपड़ियों में भीषण आग, सिलेंडर फटे

10 किमी दूर से दिखा धुआं, 22 गाड़ियों ने बुझाई आग

गाजियाबाद

गाजियाबाद में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे 200 झुग्गी-झोपड़ियों में भीषण आग लग गई। सिलेंडरों में लगातार धमाके होते रहे। धुएं का गुबार करीब 10 किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने घरों का सामान और गैस सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। आसपास की इमारतों को एहतियातन खाली करा लिया गया।

फायर ब्रिगेड की 22 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। प्रशासन ने नोएडा से भी दमकल की गाड़ियां मंगाई। आग इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में लगी। घटना में फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

डीएम रविंद्र कुमार ने बताया कि इलाके में कबाड़ का काम होता था। यही काम करने वाले लोग झुग्गियां बनाकर रहते हैं। किसी भी तरह की अनहोनी से निपटने के लिए एंबुलेंस मौके पर मौजूद हैं। पास के अस्पतालों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है।

इससे पहले, बुधवार को लखनऊ के विकासनगर में झुग्गी-झोपड़ियों में आग लगी थी। इसमें 250 झोपड़ियां जलकर राख हो गई थीं। 2 सगी बहनों की मौत भी हुई थी।

भारतीय भाषाओं में निहित है भारत की आत्मा : मुर्मु

वर्धा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारतीय भाषाएं ही देश की आत्मा की सच्ची अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न भारतीय भाषाओं में संस्कृति, संवेदनशीलता-चेतना की एक समान धारा प्रवाहित होती है, जो भारत की एकता को सशक्त बनाती है। राष्ट्रपति ने वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के दीक्षांत समारोह में प्रसन्नता व्यक्त की कि देश के विभिन्न राज्यों, विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र से बड़ी संख्या में विद्यार्थी विवि में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा अंतरभाषाई संवाद की परंपरा हिंदी सहित सभी भाषाओं के विकास में बड़ी भूमिका निभाएगी।

बंगाल-मतदान से 2 दिन पहले नाम जुड़ा, तो वोट कर सकेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा- सप्लीमेंट्री लिस्ट अपडेट करें

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव से दो दिन पहले तक सप्लीमेंट्री लिस्ट में नाम जुड़ने वाले वोटर्स मतदान कर सकेंगे। जिन वोटर्स की आपत्ति ट्रिब्यूनल में पेंडिंग होगी, उन्हें वोट डालने की इजाजत नहीं होगी।

बंगाल में 2 फेज में 23 और 29 अप्रैल को चुनाव है। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिब्यूनल्स को पहले फेज के चुनाव

के लिए 21 अप्रैल तक और दूसरे फेज में 27 अप्रैल तक आपत्तियों का निपटारा करने को कहा है। जैसे ही ट्रिब्यूनल नाम जोड़ने का आदेश देगा, इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर तुरंत सूची में संशोधन करेंगे और लिस्ट जारी की जाएगी।

दरअसल, बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में 90.83 लाख वोटर्स के नाम काट दिए गए हैं। इन वोटर्स की अपील सुनने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं। सीजेआई सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने स्क्रूटनी प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रिब्यूनल पर ज्यादा बोझ नहीं डाला जाना चाहिए, लेकिन एक मजबूत अपील प्रणाली जरूरी है ताकि असली वोटर्स के अधिकार सुरक्षित रह सकें। अगर बड़ी संख्या में वोटर्स बाहर रह जाते हैं और चुनाव में जीत का अंतर कम होता है, तो नतीजों पर सवाल उठ सकते हैं।

राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ का शपथ ग्रहण समारोह में सीएम बोले-

कार्मिक 'मिशन कर्मयोगी' से बढ़ाएं अपनी कार्यकुशलता एवं क्षमता

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शासन सचिवालय राज्य प्रशासन का सबसे बड़ा निकाय है, जहां से राज्य की सभी नीतियों एवं योजनाओं की शुरूआत कर आमजन को लाभान्वित किया जाता है। उन्होंने कहा कि सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारी पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं, तो सरकारी कामकाज में तेजी आती है, जिसका सीधा लाभ जनता को मिलता है।

हमारी जिम्मेदारी है कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निस्तारण कर सुशासन के संकल्प को साकार किया जाए।

शर्मा गुरुवार को शासन सचिवालय में राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने नव निर्वाचित अध्यक्ष अभिमन्यु शर्मा और नवगठित कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ ग्रहण करवाई। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनसेवा की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए केन्द्रीय सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन और प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम सेवातीर्थ रखा है। उन्होंने कहा कि मोदी द्वारा कर्मचारियों की कार्यकुशलता और क्षमता बढ़ाने के लिए 'मिशन कर्मयोगी' की शुरूआत की गई है। हमारे प्रदेश के कर्मचारियों को भी इसके जरिए अपनी कार्यकुशलता बढ़ानी चाहिए। साथ ही प्रशासन का मूल मंत्र 'नागरिक देवो भव' होना चाहिए, जिससे नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में दिन-प्रतिदिन सुधार हो सके।

कूनो से निकलकर चीता फिर पहुंचा रणथंभौर की सीमा में

सवाई माधोपुर

मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से निकलकर एकबार फिर चीता राजस्थान के रणथम्भौर टाइगर रिजर्व की सीमा में पहुंच गया है। गुरुवार सुबह सवाई माधोपुर जिले के पालीघाट क्षेत्र के अजीतपुरा गांव में चीता केपी-2 की मौजूदगी से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सुबह करीब 5 बजे ग्रामीणों ने अजीतपुरा गांव में चीते को सड़कों पर घूमते हुए देखा। कुछ देर बाद वह खेतों की ओर चला गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और चीते की ट्रैकिंग शुरू कर दी। पालीघाट रेंजर किशन कुमार सांखला के अनुसार पालीघाट और फलौदी रेंज की संयुक्त टीम लगातार

निगरानी कर रही है। घटना की सूचना तुरंत कूनो नेशनल पार्क प्रशासन को दी गई, जिसके बाद वहां से विशेष टीम भी रणथंभौर पहुंच गई है। दोनों राज्यों की टीमें मिलकर चीते की लोकेशन ट्रेस कर रही हैं और उस पर लगातार नजर रखी जा रही है।

वन विभाग के अनुसार, चीता बुधवार रात चंबल नदी पार कर पहले कोटा जिले में आया और फिर रात में ही दोबारा चंबल पार कर स. माधोपुर जिले में प्रवेश कर गया।

राजस्थान बोर्ड ने 9वीं से 12वीं तक की 4 किताबें हटाईं, स्कूलों को दिए निर्देश

नहीं पढ़ाया जाएगा राजस्थान का इतिहास और स्वर्णिम भारत

बीकानेर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की सिफारिश पर कक्षा 9 से 12 तक की चार पुस्तकों को सिलेबस से हटा दिया गया है। इस सेशन में इन पुस्तकों का निशुल्क वितरण भी नहीं होगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के समाज शिक्षा विभाग ने इस संबंध में गुरुवार दोपहर 1 बजे आदेश जारी किए।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए कक्षा 9 से 12 तक की चार पुस्तकों को विद्यालयों में नहीं पढ़ाने के निर्देश दिए हैं। यह निर्णय इन पुस्तकों के विलोपन (डिस्कन्टीन्यू) किए जाने के कारण लिया गया है।

समाज शिक्षा के उप निदेशक अशोक कुमार पारीक ने बताया कि

चार पुस्तकों को हटाने के संबंध में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने प्रस्ताव दिए थे। इस पर राज्य सरकार के निर्णय के बाद पुस्तकों को हटाया गया है। यह निर्णय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के 11 अप्रैल को दिए पत्र तथा समग्र शिक्षा जयपुर के फरवरी में दिए गए आदेश की पालना में किया गया है।

निदेशालय ने समस्त मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों एवं समग्र शिक्षा के पदेन जिला परियोजना समन्वयकों को निर्देशित किया कि वे सुनिश्चित करें कि हटाई गई इन पुस्तकों का अध्ययन शैक्षणिक सत्र 2026-27 में किसी भी स्कूल में न कराया जाए।

4 किताबों को लेकर मुख्यमंत्री को लिखा था लेटर

सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा- राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल जयपुर की कक्षा 9 के लिए प्रकाशित पुस्तक 'राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन एवं शौर्य परपंरा' को लेकर मैंने आपत्ति की थी। इस पुस्तक के चैप्टर-4 के पेज नंबर 42 में लिखे तथ्यों में संशोधन के लिए आग्रह किया था। आपत्ति के बाद भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने इस प्रकाशित अंश को सही बताया और संशोधन की आवश्यकता नहीं बताई।

इसके बाद मैंने तथ्यों सहित मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की टिप्पणी पूर्णतया असत्य होकर वामपंथी विचारधारा से प्रेरित थी। लेखक मंडल की ओर से दी गई राय में कई भ्रामक टिप्पणियों का उपयोग किया गया था। विभिन्न आपत्तियों के बाद आखिरकार 4 पुस्तकों को शिक्षा विभाग ने बंद करने के आदेश जारी किया।

प्रदेश के 17 शहरों का पारा 40 डिग्री के पार, बाड़मेर 42.9 पहुंचा

जयपुर

प्रदेश में गर्मी धीरे-धीरे पूरी रंगत में आती जा रही है। गुरुवार को प्रदेश के 17 शहरों का दिन का पारा 40 डिग्री के पार दर्ज किया तो वहीं 6 शहरों का दिन का पारा 42 और रात का पारा 25 डिग्री के पार पहुंच गया। प्रदेश में बाड़मेर सबसे गर्म रहा।

शुक्रवार को पश्चिम राजस्थान में लू के थपेड़े देखने को मिल सकते है तो वहीं पूर्वी राजस्थान में हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार भीलवाड़ा, वनस्थली, अलवर, पिलानी, सीकर, कोटा, बाड़मेर, पाली, जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी, बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, करौली, दौसा और लूणकरणसर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार दर्ज किया। बाड़मेर, जैसलमेर, फलौदी, बीकानेर, चूरू व श्रीगंगानगर का दिन का पारा 42 डिग्री के पार रहा। बाड़मेर का अधिकतम तापमान 42.9 व न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री दर्ज किया गया। बाड़मेर के अलावा संगरिया, प्रतापगढ़, जालोर, जैसलमेर व चित्तौडग़ढ़ का न्यूनतम तापमान 25 से अधिक दर्ज किया।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य में अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री बढ़ोतरी दर्ज की गई। राज्य के अधिकांश भागों में आगामी 3-4 दिन मौसम मुख्यत शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि कमजोर पश्चिम विक्षोभ के असर से बारिश देखने को मिल सकती है।

लखीमपुर खीरी में अम्बेडकर की मूर्ति खंडित होने पर बवाल, भीड़ ने की पत्थरबाजी

-20 पुलिसकर्मी घायल, कई गाड़ियों को फूंका, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी जिले के मैलानी थाना क्षेत्र अंतर्गत बांकेगंज कस्बे में मंगलवार को अंबेडकर जयंती पर बाबा साहब की मूर्ति स्थापना के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सरकारी जमीन पर बिना अनुमति मूर्ति रखने की कोशिश में आयोजकों और अन्य लोगों में झड़प हुई, जिससे मूर्ति गिरकर खंडित हो गई। आक्रोशित भीड़ ने मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पत्थर बरसाए और कई सरकारी गाड़ियों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने लाठीचार्ज किया। घटना में 20 पुलिसकर्मी और एक स्थानीय पत्रकार घायल हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांकेगंज कस्बे की एक सरकारी भूमि पर मूर्ति स्थापना को लेकर लंबे समय से विवाद था। सहमति बनी थी कि केवल बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण होगा, लेकिन कुछ लोग चुपके से मूर्ति ले आए। एक चश्मदीद महिला के मुताबिक कुछ लोगों ने जबरन मूर्ति स्थापित करने की कोशिश की, जिसका विरोध होने पर मारपीट शुरू हो गई। इस खींचतान के दौरान मूर्ति गिरकर खंडित हो गई, जिससे वहां मौजूद सैकड़ों लोगों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही जब पुलिस बल मौके पर पहुंची, तो अराजक तत्वों ने उन पर हमला कर दिया। उग्र भीड़ ने न केवल मारपीट की, बल्कि पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि पुलिस को बचाव में हल्का बल प्रयोग और लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान पत्थरबाजी में कई जवान घायल हुए हैं। पुलिस ने खंडित मूर्ति को कब्जे में लेकर थाने भिजवाया ताकि माहौल और न बिगड़े। मामले की गंभीरता देखते हुए डीएम और एसपी भारी पुलिस फोर्स के साथ बांकेगंज पहुंचीं। इलाके में एहतियातन सुरक्षा बढ़ा दी गई है और शांति व्यवस्था बनी हुई है।

आंध्र प्रदेश में सिलेंडर ब्लास्ट से तबाही, तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं डिस्ट्रिक्ट से बुधवार को एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई, जहां रसोई गैस सिलेंडर फटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। धमाका इतना भीषण था कि इसकी चपेट में आकर दो रिहायशी मकान पूरी तरह ढह गए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह घटना जिले के कादिरआई मंडल के कामरावारीपल्ली गांव में दोपहर करीब 12-30 बजे हुई। पुलिस अधीक्षक एस सतीश ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिस घर में विस्फोट हुआ, वहां तेलंगाना के प्रवासी मजदूर रह रहे थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सिलेंडर में गैस रिसाव के कारण यह विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। धमाके के कारण आसपास तेज कंपन हुआ और दो मकान जमींदोज हो गए। मलबे में दबने और आग की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने भी बचाव अभियान में मदद की। हालांकि, विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पीड़ितों को बचाया नहीं जा सका। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और विस्फोट के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

3 जुलाई से शुरू हो रही बाबा बर्फानी यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरु

जालंधर (एजेंसी)। लाखों शिव भक्तों के लिए खुशखबरी आई है। 3 जुलाई से शुरू होने वाली बाबा बर्फानी की अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई है। पहले ही दिन सुबह से विभिन्न बैंकों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई दी। अनुमान है कि इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल होगा। इस देखकर प्रशासन सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर पूरी तरह अलर्ट है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण कर सकते हैं। बात दें कि पहलगाम रास्ते में चढ़ाई अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन समय अधिक लगता है, जिसकी दूरी करीब 46 किमी है। जबकि बालटाल वाला रास्ता छोटा है, करीब 14 किमी है, लेकिन इसकी चढ़ाई काफी कठिन मानी जाती है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण करा सकते हैं। भक्त श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल एप पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए फोटो और हेल्थ सर्टिफिकेट अपलोड करना अनिवार्य होगा। वहीं ऑफलाइन के लिए देशभर की अधिकृत बैंक शाखाओं में जाकर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। यहाँ पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर परमिट जारी किए जाते हैं। प्रति व्यक्ति पंजीकरण शुल्क 150 रुपये निर्धारित किया गया है। यात्रा की दुर्गमता को देखकर श्राइन बोर्ड ने कुछ सख्त नियम बनाए हैं, यात्रियों के पास 8 अप्रैल 2026 के बाद अधिकृत डॉक्टर द्वारा जारी किया गया अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (सीएचसी) होना चाहिए। केवल 13 से 70 वर्ष की आयु के लोग ही यात्रा कर सकते हैं। 6 सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिलाओं को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत

हरदोई (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हरदोई जिले के जलालपुर गांव में दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से बीमार हो गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान विद्यावती के पति सुरेंद्र अपने घर में बने सीमेंट के टैंक को गेहूं भंडारण के लिए साफ करवा रहे थे। इस टैंक में पहले तिरपाल बिछाकर उसके ऊपर भूसा डाला गया था, जिससे अंदर जहरीली गैस बन गई थी। सफाई के दौरान गांव के कैलाश सबसे पहले टैंक में उतरे, लेकिन अंदर पहुंचते ही उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई और वे बेहोश हो गए। कैलाश को बचाने के लिए सुरेंद्र तुरंत टैंक में उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर अचेत हो गए। इसके बाद तीसरे युवक प्रमोद को रस्सी के सहारे नीचे भेजा गया, मगर वह भी जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाकर रस्सी की मदद से प्रमोद को बाहर निकाला और किसी तरह अन्य दोनों को भी बाहर निकाला। तीनों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सुरेंद्र और कैलाश को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रमोद का इलाज जारी है। इस घटना ने गांव में शोक की लहर दौड़ा दी है और जहरीली गैस से जुड़े खतरों के प्रति सतर्कता की आवश्यकता को उजागर किया है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से झटका, तेलंगाना हाईकोर्ट की जमानत पर लगी रोक

असम सरकार की अपील पर सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी। यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के आरोपों से जुड़ा है।

दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंता विस्व सरमा की पत्नी रिनीकी भुइयां शर्मा ने पवन खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने रिनीकी भुइयां के पास कई देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हुआ। संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था, जहां से उन्हें एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल गई थी। हालांकि, इस फैसले को असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर अब शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है।

मामले की सुनवाई जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि पवन खेड़ा असम के सक्षम न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश का उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। सुनवाई के दौरान असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तेलंगाना हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि याचिका में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि जब कथित अपराध गुवाहाटी में हुआ, तो तेलंगाना हाईकोर्ट का क्षेत्राधिकार कैसे बनता है।

इसके साथ ही आधार कार्ड से जुड़े एक पहलू पर भी बहस हुई। अदालत को बताया गया कि याचिका दाखिल करते समय पवन खेड़ा की ओर से उनकी पत्नी का आधार कार्ड प्रस्तुत किया गया था, ताकि तेलंगाना से संबंध दिखाया जा सके। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने आपत्ति जताते हुए इसे कानून का दुरुपयोग बताया।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि रिकॉर्ड में प्रस्तुत दस्तावेजों से प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि अधिकार क्षेत्र का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश की गई।

सभी दलीलों पर विचार करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी और मामले में नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

गौरतलब है कि असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ मानहानि, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोपों में मामला दर्ज किया है। 7 अप्रैल को पुलिस उनकी तलाश में दिल्ली स्थित आवास भी पहुंची थी। इसके बाद खेड़ा ने 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जहां से उन्हें अस्थायी राहत मिली थी, जो अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्थगित हो गई है।

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, छह की मौत और 15 घायल

फतेहगढ़ साहिब (एजेंसी)। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में बैसाखी मेला देखकर लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। देर रात श्रद्धालुओं से भरी एक निजी बस अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराने के बाद पलट गई। इस भीषण दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 15 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फतेहगढ़ साहिब क्षेत्र से करीब 40 श्रद्धालुओं का एक जत्था बैसाखी के पावन पर्व पर श्री आनंदपुर साहिब में मत्था टेकने और मेले में शामिल होने गया था। देर रात जब सभी लोग बस से वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच के मुताबिक, चलती बस में अचानक कोई तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। बेकाबू हुई बस सड़क किनारे लगे बिजली के एक खंभे से जा टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और भीतर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अंधेरा होने के कारण बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन कड़ी मशक्कत के बाद बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने तुरंत एंबुलेंस की मदद से घायलों को मोरिंडा और फतेहगढ़ साहिब के सरकारी अस्पतालों में भिजवाया। गंभीर रूप से घायल कुछ यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए बड़े केंद्रों में रेफर किए जाने की खबर है। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को सड़क के बीच से हटवाकर यातायात को सुचारू करवाया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है ताकि हादसे के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। इस घटना के बाद से प्रभावित गांव में शोक की लहर दौड़ गई है, प्रशासन ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

पुलिस ने नाबालिग लड़कियों से यौन शोषण और अश्लील वीडियो बनाने वाले को दबोचा

-आरोपी लड़कियों को ब्लैकमेल कर देह व्यापार में धकेलने मुंबई-पुणे ले जाता था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में पुलिस ने 180 से ज्यादा नाबालिग लड़कियों के कथित यौन शोषण और उनके 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो बनाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी लड़कियों को 'लव ट्रैप' में फंसाकर उन्हें मुंबई और पुणे ले जाता था, जहां उनके आपत्तिजनक वीडियो बनाता था। इन वीडियो का इस्तेमाल वह लड़कियों को ब्लैकमेल करने और देह व्यापार में धकेलने के लिए करता था। आशंका है कि इनमें से कुछ वीडियो शेयर भी किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अयाज उर्फ तनवीर के रूप में हुई है, जो परतवाड़ा शहर का रहने वाला है. वॉट्सएप और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाता था। इस मामले की शिकायत बीजेपी सांसद अनिल बोंडे ने एसपी (ग्रामीण) को ज्ञापन सौंपकर की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि इस मामले में एसआईटी का गठन नहीं किया गया तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुस्लिम समुदाय के लोग भी पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों से पूरे समुदाय की छवि खराब होती है और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अयाज पहले एआईएमआईएम से जुड़ा था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे 7 दिन की हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उसने ये वीडियो किसी और के साथ शेयर किए थे, या वह किसी बड़े आपराधिक नेटवर्क का हिस्सा था।

रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सामाजिक बदनामी के डर से अब तक किसी भी पीड़ित या उसके परिवार के सदस्य ने कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। एसपी ने पीड़ितों के परिवारों से आगे आने की अपील की है और उन्हें भरोसा दिलाया है कि उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी, इसके अलावा, राज्य सरकार उनकी कानूनी और काउंसलिंग सेवाओं का भी ध्यान रखेगी। अमरावती के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी इस मामले का संज्ञान लिया है।

सुप्रीम कोर्ट में मंदिर पक्ष का तक... धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती, न कि न्यायिक मानकों से

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जारी सुनवाई के दौरान धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक सीमाओं पर अहम बहस हुई। सबरीमाला मंदिर का प्रबंधन देखने वाले त्रावणकोर देवस्थनम बोर्ड की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि शीर्ष अदालत को धार्मिक मान्यताओं की सही-गलत की व्याख्या नहीं करनी चाहिए। उनके अनुसार, किसी भी धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती है, न कि न्यायिक मानकों से होती है।

वकील सिंघवी ने कहा कि धर्म मूल रूप से एक सामूहिक विश्वास है, इसलिए कुछ व्यक्तियों के अधिकार पूरे समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता पर हावी नहीं हो सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक अधिकारों पर रोक केवल विधि (कानून) के माध्यम से ही लग सकती है, न कि केवल सरकारी आदेशों या निर्देशों से रोक लगा सकते है। यदि बिना कानून के हस्तक्षेप हुआ, तब इससे सरकार को मनमाने ढंग से धार्मिक स्वतंत्रता में दखल देने का मौका मिल सकता है।

इस मामले की पृष्ठभूमि में केरल हाईकोर्ट का 1991 का फैसला है, इसमें 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इस

प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताकर हटा दिया। इसके बाद पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर कई संवैधानिक प्रश्नों पर अब विस्तृत बहस हो रही है।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने कहा कि यदि सभी को मंदिर में प्रवेश की अनुमति है, तब अंदर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि अलग-अलग जातियों को अलग स्थानों पर बैठाकर भोजन कराना असमानता का प्रतीक है। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि कुछ धार्मिक प्रथाएं ऐसी हो सकती हैं, जिसमें दर्शन या पूजा के तरीके अलग हों, और हर स्थिति में कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

सुनवाई के दौरान सिंघवी ने तर्क दिया कि अदालत धार्मिक प्रथाओं को अपनी व्याख्या के आधार पर बदल नहीं सकती, यदि वे किसी धर्म का स्थापित और मान्य हिस्सा हैं। हालांकि, यदि कोई प्रथा कानून के विरुद्ध हो या पूरे समुदाय द्वारा मान्य न हो, तब उस पर रोक लग सकती है।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश ने सवाल उठाया कि सामाजिक सुधार से जुड़े कानून, जैसे हिंदू उत्तराधिकार कानून, किस आधार पर बनाए गए। वहीं, आर्टिकल 15(3) के तहत महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान लागू होने की संभावना पर भी चर्चा हुई। इस पर मंदिर के वकील सिंघवी ने चेतावनी दी कि यदि अदालतें यह तय करने लगें कि कौन-सी धार्मिक प्रथा आवश्यक है और कौन-सी नहीं, तब न्यायपालिका धर्म के मामलों में अत्यधिक हस्तक्षेप करने लगेगी, जिसकी कोई स्पष्ट सीमा नहीं होगी। उन्होंने उदाहरण के तौर पर जैन दिगंबर साधुओं की परंपरा का उल्लेख किया, जो सामान्य सामाजिक दृष्टि से अलग हो सकती है, लेकिन उनके धर्म का अभिन्न हिस्सा है। अंत में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस मामले में ÷संवैधानिक नैतिकता÷ के बजाय ÷सार्वजनिक नैतिकता÷ का पहलू भी महत्वपूर्ण रहेगा। यह पूरा मामला धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और न्यायिक सीमाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती को दर्शाता है।

सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं

-जेडीयू नेता बोले-यह साहस, चरित्र, त्याग सिर्फ नीतीश जैसे नेता ही दिखा सकते हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार में बुधवार को बीजेपी नेता सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा कर दिया था। इधर नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद जेडीयू ने कहा कि नीतीश कुमार ने सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धान्तों को सर्वोपरि रखा। जेडीयू के विधान पार्षद और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने बुधवार को सोशल नेटवर्किंग साइट पर एक पोस्ट के जरिये नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की है।

उन्होंने एक्स पर सवाल यह नहीं कि आपने क्या त्याग किया, सवाल यह है कि आपके इस त्याग की चर्चा कौन करे शीर्षक के जरिए नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए लिखा, कोई एक दिन के लिए भी त्याग नहीं करता, लेकिन नीतीश कुमार ने सीएम की कुर्सी त्याग कर एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो राजनीति के इतिहास में विरले ही देखने को मिलती हैं। उन्होंने लिखा सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं।

यह साहस, यह चरित्र, यह त्याग- सिर्फ नीतीश कुमार जैसे नेता ही दिखा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वह दौर- जब 118 नरसंहारों की गूंज थी, जब चरवाहा विद्यालय जैसे प्रयोगों ने शिक्षा का मजाक बना दिया था, जब समाज को जाति और धर्म के नाम पर बांटकर सत्ता की राजनीति की जाती थी, जब गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों को जानबूझकर विकास से दूर रखा गया। नीरज ने नीतीश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे अंधकारमय समय में, नीतीश कुमार ने सिर्फ सरकार नहीं चलाई- उन्होंने व्यवस्था बदली, सोच बदली, समाज को नई दिशा दी। यह वही नेता हैं जिन्होंने केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की कैबिनेट में अपनी भूमिका निभाई और बिहार लौटकर विकास की नई परिभाषा गढ़ी।

उन्होंने कहा कि सांसद या विधायक बन जाना बड़ी उपलब्धि नहीं है- लेकिन सामाजिक जकड़नों को तोड़ना, भविष्य की पीढ़ियों के लिए रोडमैप बनाना और उसे जमीन पर उतारना, यह असाधारण व्यक्तित्व का व्यक्ति ही कर सकता है। नीरज कुमार ने विश्वास जताते हुए कहा कि यही कारण है कि सात निश्चय केवल योजना नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य का विजन है। सवाल उठाने वालों को लेकर कहा कि आज जो लोग सवाल उठाते हैं, उन्हें इतिहास के आईने में खुद को देखना चाहिए। क्योंकि फर्क साफ है- एक तरफ सत्ता के लिए समाज को बांटने की राजनीति और दूसरी तरफ समाज को जोड़ने की कार्यनीति। आपका योगदान महान है, लेकिन आपका त्याग- उससे भी बड़ा है।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनी तो घुसपैठियों को करेंगे निकाल बाहर : घोष

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

खड़गपुर (एजेंसी)। पंश्चित बंगाल चुनाव में बीजेपी नेता और खड़गपुर से उम्मीदवार दिलीप घोष ने सम्राट चौधरी और पीएम मोदी द्वारा बंगाल के लिए घोषित छह गारंटियों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बिहार एनडीए विधायक दल के नेता के रूप में सम्राट चौधरी के चुने जाने पर घोष ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। बीजेपी कदम दर कदम आगे बढ़ रही है और लोग उसे वोट दे रहे हैं। बीजेपी सुशासन प्रदान करती है। अपने सहयोगियों से विचार-विमर्श करके निर्णय लेती है।

इंडियन पीएसी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (आई-पैक) के निदेशक विनेश चंदेल को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर दिलीप घोष ने कहा कि आई-पैक से जुड़े घोटालों के कई आरोप हैं। कई शिकायतें पहले ही सामने आ चुकी हैं। जांच जारी है और जैसे-जैसे तथ्य सामने आ रहे हैं, कार्रवाई की जा रही है। ऐसी जांचों के निष्कर्षों के आधार पर गिरफ्तारियां की जाती हैं और जेल भेजा जाता है। घोष ने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल चुनाव बहुत अहम हैं। पीएम मोदी खुद नेतृत्व कर रहे हैं। कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, पश्चिम बंगाल में इस बार सत्ता परिवर्तन होगा। ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को शरण दी है। बीजेपी सरकार बनते ही घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा।

इसके पहले मंगलवार को दिलीप घोष ने कहा था कि कोयला, बालू से लेकर गो-तस्करी तक पश्चिम बंगाल में यह एक बड़ी समस्या है। तस्करी के जरिए हजारों करोड़ रुपए कमाए जाते हैं। हिंसा जैसी घटनाओं के बढ़ने के पीछे भी यही पैसा होता है। ऐसे मामलों में जो भी दोषी है, उन्हें न्याय के कटघरे में लाना चाहिए और सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली बार की घटनाएं आज भी लोगों को याद हैं। टीएमसी के गुंडों ने लोगों को अभी से डराना शुरू कर दिया है। चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है।

तेल कंपनियों को हो रहा नुकसान... क्या चुनाव के बाद लोगों को लग सकता बढ़ी कीमत का झटका

नुकसान की भरपाई के लिए पेट्रोल 125 रुपये प्रति लीटर जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के बीच भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर बड़ा झटका लगने की आशंका जाहिर की जा रही है। हालांकि देश में बीते चार वर्षों से ईंधन की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन इसका भारी वित्तीय दबाव सरकारी तेल कंपनियों पर पड़ रहा है। सरकारी कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) अप्रैल 2022 से पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखे हुए हैं। जबकि भारत में ईंधन मूल्य निर्धारण को एक दशक पहले ही सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर बाजार आधारित कर दिया गया था, इसके बावजूद इन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कीमतें नहीं बढ़ाईं।

दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई थीं, फिर कुछ समय के लिए गिरकर लगभग 70 डॉलर तक आईं, और हाल ही में अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद फिर से करीब 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इस अस्थिरता का

सीधा असर भारतीय तेल कंपनियों की लागत पर पड़ा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो रहा है। वैश्विक वित्तीय संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक, यदि कच्चे तेल की कीमत 135 से 165 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहती है, तब यह नुकसान और बढ़ सकता है। साथ ही, हर 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से प्रति लीटर करीब 6 रुपये का अतिरिक्त घाटा जुड़ जाता है।

वित्तीय नुकसान का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले महीने ये कंपनियां रोजाना करीब 2,400 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही थीं। हालांकि मोदी सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपये प्रतिदिन बचा है। लेकिन यह राहत आम उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंची, बल्कि कंपनियों के घाटे को कम करने में इस्तेमाल हुई। यदि कंपनियां अपने इस नुकसान की भरपाई करना चाहें, तब पेट्रोल की कीमतें 125 रुपये प्रति लीटर से ऊपर जा सकती हैं। इसके बाद माना जा रहा है कि चुनाव के बाद उपभोक्ताओं को ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है।

चुनाव बाद लग सकता है झटका

सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे प्रमुख राज्यों में चुनाव के बाद ईंधन की खुदरा कीमतों में वृद्धि के आसार हैं। भारत ने साल 2025 में अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 फीसदी आयात किया और वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति वह अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है।

तपती गर्मी का असर तेज: स्वास्थ्य विभाग ने की आमजन के लिए एडवाइजरी जारी

बढ़ती गर्मी से बचाव के लिए हल्के सूती कपड़े पहनें, पर्याप्त पानी पिएं और धूप में अनावश्यक बाहर न निकलें

बुजुर्ग, बच्चे और गर्भवती महिलाएं रखें विशेष ध्यान-सीएमएचओ डॉ. शर्मा

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

जिले में लगातार बढ़ते तापमान और लू-तापघात के खतरे को देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से सतर्कता बरतने की अपील की है। भीषण गर्मी का असर विशेष रूप से बुजुर्गों, कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और शुगर व बीपी जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों पर अधिक पड़ सकता है, ऐसे में इन वर्गों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने सभी चिकित्सा संस्थानों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में अस्पतालों में शुद्ध पेयजल, ओआरएस, ड्रिपसेट सहित आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को त्वरित उपचार मिल सके।

सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने आमजन से अपील की है कि लू-तापघात से बचने के लिए दिन के समय अनावश्यक बाहर निकलने से बचें और शरीर को ढककर ही बाहर जाएं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें तथा नींबू पानी, नारियल पानी और जूस जैसे तरल पदार्थों का सेवन बढ़ाएं।

डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रवीण झरवाल ने बताया कि लू-तापघात के प्रमुख लक्षणों में तेज सिरदर्द, अत्यधिक प्यास, शरीर में भारीपन, चक्कर आना, जी मिचलाना, पसीना आना बंद होना, त्वचा का सूखा व लाल होना और गंभीर स्थिति में बेहोशी शामिल हैं।

बचाव हेतु क्या करें-

लू से प्रभावित व्यक्ति को तुरंत छायादार स्थान पर लिटाकर उसके कपड़े ढीले कर दें। होश में आने पर ठंडे पेय पदार्थ, ओआरएस या कच्चे आम का पन्ना दिया जा सकता है। स्थिति गंभीर होने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर चिकित्सकीय परामर्श लेना जरूरी है। आपात स्थिति में 108 एम्बुलेंस सेवा का उपयोग करें।

बचाव के लिए जरूरी सावधानियां

धूप में निकलते समय हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, सिर और गर्दन को ढककर रखें। अधिक भीड़भाड़ और घुटन वाले स्थानों से बचें। बिना भोजन किए घर से बाहर न निकलें और कार्य के दौरान छाया व पानी की व्यवस्था रखें। साथ ही, बंद गाड़ी में बच्चों को कभी भी अकेला न छोड़ें और अत्यधिक चाय-कॉफी के सेवन से बचें। आमजन इन सावधानियों का पालन कर खुद को और अपने परिवार को लू-तापघात के खतरे से सुरक्षित रखें।

लापता युवक का फंदे से लटका मिला शव, पटवारी के सीमा ज्ञान के बाद बेगूं पुलिस ने उठाया शव

कोटड़ी थाने में दर्ज थी गुमशुदगी, जलेश्वर पेट्रोल पंप के पीछे मिला मढ़ा की झोपड़ियां निवासी भेरू गुर्जर का शव

स्मार्ट हलचल|मांडलगढ़

लाडपुरा कस्बे में जलेश्वर पेट्रोल पंप के पीछे स्थित सुनसान जंगल में गुरुवार को एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मढ़ा की झोपड़ियां निवासी भेरू गुर्जर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, मृतक भेरू गुर्जर घर से लापता था और उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट कोटड़ी थाने में पहले से दर्ज थी। गुरुवार को जंगल में शव लटके होने की सूचना पर सबसे पहले लाडपुरा पुलिस चौकी से कांस्टेबल हाकिम सिंह और भवर जाट मौके पर पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। घटनास्थल बेगूं और लाडपुरा थाना क्षेत्रों की सीमा के नजदीक होने के कारण क्षेत्र को लेकर संशय था। इस पर हल्का पटवारी ने मौके पर आकर सीमा ज्ञान किया और बताया कि घटनास्थल बेगूं थाने के अंतर्गत आता है। इसके बाद बेगूं पुलिस को सूचना दी गई। बेगूं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए ले गई। युवक ने आत्महत्या क्यों की, फिलहाल इसके कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आंगनबाड़ी मरम्मत में अनियमितता का आरोप, जांच की मांग

2.50 लाख के बजट में ठेकेदार ने की सिर्फ पुताई; पंचायत समिति की भूमिका संदिग्ध

स्मार्ट हलचल|खजुरी

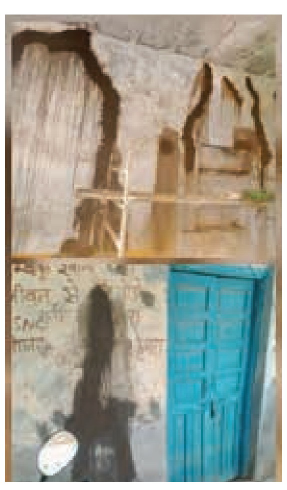

जहाजपुर पंचायत समिति के तहत ग्राम पंचायत शक्करगढ़ के जोजर गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के मरम्मत कार्य में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी जहाजपुर को शिकायत देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और कार्य को सही तरीके से पूर्ण करवाने की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि आंगनबाड़ी केंद्र की मरम्मत के लिए छ्रस्व्न’ फंड से करीब 2.50 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे, लेकिन ठेकेदार द्वारा महज लिपापोती और पुताई कर कार्य को पूर्ण दिखाया जा रहा है। केंद्र की जर्जर खिड़कियों को अब तक नहीं बदला गया है। ग्रामीणों ने बताया कि छत की मरम्मत का कार्य ग्राम पंचायत द्वारा पहले ही करवाया जा चुका था। आरोप है कि ठेकेदार बिना समुचित कार्य किए ही फर्जी तरीके से भुगतान उठाने की फिराक में है।

इस मामले को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में उरना गांव में भी इसी तरह ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरती गई थी, जिसकी शिकायत विकास अधिकारी जहाजपुर को की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे ग्रामीणों ने प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाया है।

इनका कहना है:

‘मामले की जानकारी मिली है। इसे दिखवाता हूं और नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। ‘

- सीताराम मीना, विकास अधिकारी, जहाजपुर

33 महीने से 4500 करोड़ अटका, अब ‘भुगतान नहीं तो काम नहीं’

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के 3000 ठेकेदार हड़ताल पर, पानी सप्लाई रोकने की चेतावनी

स्मार्ट हलचल|जयपुर

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में वर्षों से लंबित भुगतान अब सरकार के लिए बड़ा संकट बनता जा रहा है। करीब 3000 से अधिक ठेकेदारों ने साफ शब्दों में ऐलान कर दिया है– ‘भुगतान नहीं तो काम नहीं ‘। 13 अप्रैल से शुरू हुई अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते प्रदेशभर में जल जीवन मिशन के काम ठप पड़ गए हैं और हालात यह हैं कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो आमजन को पानी के संकट का सामना करना पड़ सकता है।

33 महीने का इंतजार, 4500 करोड़ का बकाया: सिस्टम पर सवाल

ठेकेदारों का आरोप है कि पिछले 33 महीनों से 3500 करोड़ का भुगतान अटका हुआ है, जबकि करीब 1000 करोड़ जीएसटी भी बकाया है। कुल मिलाकर 4500 करोड़ का भुगतान रुका हुआ है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब ठेकेदारों से काम समय पर लिया गया, तो भुगतान में इतनी लंबी देरी क्यों? बार-बार गुहार के बावजूद समाधान नहीं होना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

मजदूरों का पसीना सूखा, ठेकेदार कर्ज में डूबे

भुगतान अटकने का सीधा असर जमीनी स्तर पर दिख रहा है। ठेकेदार मजदूरों को मजदूरी नहीं दे पा रहे, वेंडर्स का भुगतान अटका हुआ है और कई ठेकेदार कर्ज के बोझ तले दब गए हैं। हालात ऐसे हैं कि जिन लोगों ने गांव-ढाणियों तक पानी पहुंचाया, आज उनके अपने घरों में आर्थिक संकट गहराता जा रहा है।

‘मजबूरी में हड़ताल’, 13 अप्रैल से काम पूरी तरह बंद

संघर्ष समिति के नेतृत्व में ठेकेदारों ने 13 अप्रैल से प्रदेशभर में काम बंद कर दिया है। उनका कहना है कि यह कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं, बल्कि पेट और अस्तित्व की लड़ाई है।

ठेकेदारों ने साफ कहा कि अब बिना भुगतान के एक भी काम नहीं किया जाएगा।

7 दिन की डेडलाइन: नहीं तो पानी सप्लाई पर पड़ेगा असर

ठेकेदारों ने सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि भुगतान जारी नहीं किया गया तो वे प्रदेश में पानी की सप्लाई को बाधित या बंद करने जैसे कड़े कदम उठाएंगे।

अगर ऐसा होता है, तो इसका सीधा असर आमजन पर पड़ेगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार व विभागीय प्रशासन की होगी।

जेजेएम ठप: सरकार की सबसे बड़ी योजना पर संकट

हड़ताल का सबसे बड़ा असर जल जीवन मिशन पर पड़ा है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर नल से जल पहुंचाने की केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है।

कार्य बंद होने से नए कनेक्शन, पाइपलाइन और मरम्मत के काम रुक गए हैं, जिससे योजना की गति पूरी तरह थम गई है।

‘भीख नहीं, हक चाहिए ‘

संघर्ष समिति ने दो टूक कहा– हम भीख नहीं मांग रहे, अपना हक मांग रहे हैं। ‘ ‘जब सुनवाई नहीं होती, तो मजबूरी में सख्त कदम उठाने पड़ते हैं। ‘

7 दिन में समाधान नहीं तो पानी सप्लाई प्रभावित होने की चेतावनी

सरकार की योजनाएं कागजों में तेजी से दौड़ रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि काम करने वालों को ही उनका हक नहीं मिल रहा। अगर समय रहते समाधान नहीं हुआ, तो इसका खामियाजा पूरे प्रदेश को भुगतना पड़ सकता है।

बनास नदी का अधूरा पुल बना समस्या

बरसात से पहले काम पूरा नहीं हुआ तो कट जाएगा संपर्क

स्मार्ट हलचल|रमेश डाड

आकोला। सितंबर 2025 की तेज बारिश में क्षतिग्रस्त हुआ आकोला बनास नदी का पुल आज भी अधूरा पड़ा है और प्रशासनिक लापरवाही की तस्वीर पेश कर रहा है। पुल निर्माण का कार्य करीब चार महीने की देरी से शुरू किया गया, जिसमें लगभग 200 मीटर हिस्से को तोड़ दिया गया, लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब तक केवल करीब 20 मीटर वन साइड के हिस्से में ही एक दीवार का निर्माण किया गया है।

मार्च माह से निर्माण कार्य पूरी तरह बंद पड़ा है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। दो महीने बाद मानसून शुरू होने वाला है और ऐसे में पुल निर्माण कार्य करना लगभग असंभव हो जाएगा। वर्तमान में आवागमन के लिए नदी के अंदर अस्थायी बायपास बनाया गया है, जो बारिश के दौरान बंद हो जाएगा और क्षेत्र का संपर्क पूरी तरह टूट सकता है।

यह पुल आकोला, बड़लियास सहित कई गांवों की जीवनरेखा है। बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्य शुरू करे।

राष्ट्रीय राजमार्ग किनारों से हटाए अतिक्रमण, होर्डिंग व बोर्ड

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण 758 द्वारा गुरुवार को अतिक्रमण हटाते हुए होर्डिंग व बोर्डो को हटाया गया, जिससे दुकानदारों में हड़कंप सा मच गया । भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने राजमार्ग 758 पर स्थित दुकानदारों को गत दिनों नोटिस देकर दुकानों के बाहर हो रहे अतिक्रमण को हटाने की हिदायत दी थी । गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटड़ी चौराहा, अगरपुरा, रुपाहेली चौराहा, चावंडिया चौराहा, कांदा चौराहा पर सड़क के बीच से 15 मीटर के दायरे में हो रहे अतिक्रमण हटाकर होर्डिंग व बोर्डो आदि को हटाया गया, यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी ।।

पुलिस लाईन में गूंजा जश्न: राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस मनाया

सांस्कृतिक कार्यक्रम, परेड, क्विज और सेवा कार्यों से सजा आयोजन; 165 पुलिसकर्मी सेवा चिन्ह से सम्मानित

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले में राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। 15 अप्रैल की शाम पुलिस लाईन में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में पुलिस जवानों, स्थानीय कलाकारों और बच्चों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर माहौल को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम का जवानों और उनके परिवारों ने भरपूर आनंद लिया।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. जसमीत सिंह संधू और पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ने पुलिस जवानों के प्रतिभाशाली बच्चों को शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मानित किया, वहीं कलाकारों को भी पुरस्कृत किया गया।

क्विज में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

स्थापना दिवस के तहत जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को पुलिस थानों और अभय कमांड सेंटर का भ्रमण कराकर पुलिस कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई।

सेरेमोनियल परेड में दिखी अनुशासन की झलक

16 अप्रैल को पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में भव्य सेरेमोनियल परेड का आयोजन हुआ, जिसकी सलामी पुलिस अधीक्षक ने ली। परेड का नेतृत्व आईपीएस अधिकारी आयुष क्षौत्रिय ने किया। इस दौरान जिले के अधिकारी और थानाधिकारी मौजूद रहे।

165 कर्मियों को सेवा चिन्ह से नवाजा

बेहतर और बेदाग सेवा देने वाले पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सर्वोत्कृष्ट (30), अति उत्तम (14) और उत्तम (121) कुल 165 सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राजस्थान नर्सेज यूनियन ने जनसुनवाई हुई

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान नर्सेज़ यूनियन जिला अध्यक्ष लकी ब्यावट के निर्देश पर जिला संयोजक अमित व्यास और जिला प्रवक्ता गिरिराज लड्ढा के नेतृत्व में कलेक्टर परिसर में आयोजित जनसुनवाई में नर्सेज ने पहुंचकर राजमेश के 1267 विलोपित पदों को लेकर कलेक्टर महोदय को ज्ञापन दिया । जिला प्रवक्ता गिरिराज लड्ढा ने साहेब को विस्तार से बताया कि विगत दिनों में राजमेस ने 7 मेडिकल कॉलेज में 1267 पदों को विलोपित कर दिया है जिसमें भीलवाड़ा में 84 नर्सिंग ऑफिसर के पद समाप्त कर दिए गए हैं जो की पिछले 10 वर्षों से लगातार महात्मा गांधी चिकित्सालय में सेवाएं दे रहे थे उन पर अब संकट के बादल मंडरा रहे हैं अतः आपसे निवेदन है जल्दी से जल्द इन पदों का समायोजित करते हुए या पुनर्सेर्जित करते हुए हमें राहत प्रदान करें

कलेक्टर साहब ने आश्वत किया कि आज ही हम इस मुद्दे को संज्ञान में लेते हुए राज्य सरकार से वार्ता कर जल्दी ही आपको राहत प्रदान करने का प्रयास करेंगे

इसी क्रम में राजस्थान नर्सेंज यूनियन के कार्यकारी जिला अध्यक्ष ललित जीनगर ने बताया कि सुबह महात्मा गांधी चिकित्सालय भीलवाड़ा में पधारे निवर्तमान विधायक भीलवाड़ा विट्ठल शंकर अवस्थी जी के जन्मदिन के अवसर पर यूनियन ने उनको भी आज ज्ञापन सोपा और मांग करी की वे राज्य सरकार तक नर्सिंग की मांग को पहुंचाएं और नर्सेंज को राहत प्रदान करें !

इस अवसर पर यूनियन उपाध्यक्ष करण सिंह सिसोदिया दिनेश खटीक ,मेडिकल कॉलेज उपाध्यक्ष सुनील व्यास,सतीश शर्मा,काशीराम नायक दिनेश तिवारी, कुलदीप आर्य,दिलकुश, मनोज धाकड़ सीमा सेन, लाड कंवर, निर्मला मीणा,पिंकी खटीक, अनीता खोईवाल, जगदीश, गोविन्द सिखवाल और सेकड़ो नर्सेंज मौजूद रहे ।

‘साहब की कुर्सी पर ‘रिश्वत’ का खेल: नादौती एसडीएम काजल मीणा जाल में फंसी, बैग से निकला 4 लाख का अतिरिक्त कैश

रीडर और बाबू भी शिकंजे में; बैग से 4 लाख का अतिरिक्त कैश बरामद

स्मार्ट हलचल| करौली/नादौती

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (छ्ष्ट•) ने मंगलवार को प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। करौली जिले के नादौती में कार्यरत महिला एसडीएम (स्ष्ठरू) काजल मीणा को एसीबी की टीम ने 60 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में एसडीएम के साथ उनके रीडर दिनेश और बाबू प्रवीण को भी दबोचा गया है।

जमीन विवाद निपटाने के नाम पर मांगी थी घूस

जानकारी के अनुसार, नादौती उपखंड कार्यालय में जमीन से संबंधित किसी मामले (तकासमा या फाइल आगे बढ़ाने) के एवज में पीड़ित से रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायत का सत्यापन होने के बाद सवाई माधोपुर एसीबी की टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही एसडीएम और उनके अधीनस्थ कर्मचारियों ने रिश्वत की राशि स्वीकार की, एसीबी की टीम ने उन्हें दबोच लिया।

सिर्फ 60 हजार नहीं, ‘बैग’ में था बड़ा राज!

कार्रवाई के दौरान सबसे चौंकाने वाली बात तब सामने आई जब आरोपी रीडर दिनेश के बैग की तलाशी ली गई। एसीबी की टीम ने रिश्वत की राशि के अलावा बैग से 4 लाख रुपये की अतिरिक्त नकदी बरामद की है। रीडर इस राशि का कोई संतोषजनक हिसाब नहीं दे पाया। आशंका जताई जा रही है कि यह राशि भी अन्य लंबित फाइलों के बदले वसूल की गई ‘कमीशन’ का हिस्सा हो सकती है।

एसीबी की तलाशी में मिला 4 लाख का अतिरिक्त कैश

एसीबी की इस कार्रवाई के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपी रीडर के पास मौजूद बैग की जब तलाशी ली गई, तो उसमें से करीब 4 लाख रुपये की संदिग्ध नकदी बरामद हुई है। ब्यूरो अब इस राशि के स्रोत की जांच कर रहा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक के निर्देश पर यह पूरी कार्रवाई एडिशनल एसपी ज्ञान सिंह के नेतृत्व में की गई।

मुख्य आरोपी: एसडीएम काजल मीणा (आरएएस अधिकारी)।

सह-आरोपी: रीडर दिनेश और लिपिक प्रवीण।

रिश्वत राशि: 60,000 रुपये (रंगे हाथों पकड़े गए)।

अतिरिक्त बरामदगी: 4 लाख रुपये नकद (संदेह के घेरे में)।

कारण: सरकारी काम/फाइल निपटारे के बदले धन की मांग।

पद की गरिमा तार-तार: कौन हैं एसडीएम काजल?

नादौती में तैनात एसडीएम काजल मीणा राजस्थान प्रशासनिक सेवा की अधिकारी हैं। उपखंड स्तर पर न्याय और प्रशासन की जिम्मेदारी संभालने वाली अधिकारी का इस तरह रिश्वत मामले में नाम आना प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। एसीबी अब यह जांच कर रही है कि क्या इससे पहले भी किसी फाइल को रोकने या पास करने के नाम पर इस तरह की अवैध वसूली की गई थी।

प्रयोगशाला सहायक संघ के जिलाध्यक्ष बने प्रेमदत्त शर्मा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। विश्व लैब टेक्नीशियन दिवस पर सभी साथियों की सहमति से प्रेमदत्त शर्मा को प्रयोगशाला सहायक संघ के जिलाध्यक्ष के लिए चयन किया गया। इस मौके पर नए जिलाध्यक्ष का माला पहनाकर स्वागत किया। आगामी 10 मई को नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम रखा गया। इस मौके पर अरविंद सनाढ्य, अनिल पहाडि़या, कपिल जोशी, रामपाल भांड, नवनीत शर्मा, नासिर सिलावट, लोकेश नामधरानी, दिनेश व्यास, शक्ति सिंह, राजेश धाकड़, लोकेश शर्मा, मातृशक्ति नीतू जैन उपस्थित रहे।

अम्बेडकर दृष्टि से समता का संदेश, युवाओं को दिया सामर्थ्य का आह्वान

एमडीएसयू में राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन, जुटे विद्वान व विद्यार्थी, विधायक डॉ. लालाराम बैरवा बोले-समरस समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय (एमडीएसयू) अजमेर स्थित अम्बेडकर शोधपीठ के तत्वावधान में 'अम्बेडकर दृष्टि समता से सामर्थ्य' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शाहपुरा विधायक एवं विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल (बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट) के सदस्य डॉ. लालाराम बैरवा ने भाग लिया और सामाजिक समरसता के महत्व पर जोर दिया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. लालाराम बैरवा ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचार केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे एक समतामूलक, सशक्त और विकसित समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने 'समता से सामर्थ्य' के मूल मंत्र को स्पष्ट करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षित बनकर समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प लें।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जसवंत खत्री (क्षेत्रीय कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, राजस्थान) ने बाबा साहेब के राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने में सक्षम हैं। उन्होंने सामाजिक एकता और राष्ट्रीय चेतना के संदर्भ में अम्बेडकर के योगदान को रेखांकित किया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश अग्रवाल ने की। उन्होंने अम्बेडकर शोधपीठ के शैक्षणिक उद्देश्यों और सामाजिक सरोकारों की जानकारी देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक विचारधारा को बढ़ावा देते हैं। वहीं मानद निदेशक प्रोफेसर शिव प्रसाद ने विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और इसे वर्तमान समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। समापन अवसर पर डॉ. लालाराम बैरवा ने अम्बेडकर शोधपीठ द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए मीडिया से बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

खबर का असरः 5 दिन बाद कई गांवों में सुचारु हुआ चम्बल का पानी

ग्रामीणों ने जताया आभार

स्मार्ट हलचल | खजुरी

क्षेत्र के दर्जनों गांवों चम्बल पानी सप्लाई को लेकर बुधवार को दैनिक भास्कर के अंक में प्रकाशित हुई खबर के बाद असर देखने को मिला है। करीब 5 दिनों की लंबी परेशानी के बाद आखिरकार कई गांवों में पानी की सप्लाई फिर से सुचारु हो गई, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार, तकनीकी खराबी के चलते दर्जनों गांवों में पेयजल संकट गहरा गया था। इस दौरान आमजन के साथ-साथ पशु-पक्षियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। समस्या को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बाद संबंधित विभाग हरकत में आया और मरम्मत कार्य तेज़ी से पूरा किया गया।

पानी सप्लाई बहाल होने पर ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। सामाजिक कार्यकर्ता सत्यनारायण सेन, दीपक पाराशर और राकेश खटीक सहित कई ग्रामीणों ने प्रशासन और मीडिया का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खबर के प्रभाव से ही समस्या का जल्द समाधान संभव हो पाया।

ग्रामीणों ने मांग की है कि भविष्य में इस तरह की समस्या दोबारा न हो, इसके लिए विभाग को स्थायी समाधान की दिशा में काम करना चाहिए।

जयपुर में 'संविधान जागरूकता एवं एकता सम्मेलन' आयोजित, सोनू खान कायमखानी बने प्रदेश सचिव

स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) द्वारा पीसीसी कार्यालय, जयपुर में 'संविधान जागरूकता एवं एकता सम्मेलन' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों एवं कांग्रेस नेताओं ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य संगठन की एकता को मजबूत करना तथा आमजन में संविधान के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन एम.डी. चोपदार एवं जयपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने सोनू खान कायमखानी को कांग्रेस राजस्थान के अल्पसंख्यक विभाग का प्रदेश सचिव बनाए जाने पर माला एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया।

सम्मेलन में ललित तूनवाल, ताराचंद सैनी, स्वर्णिम चतुर्वेदी, आर.सी. चौधरी, एडवोकेट शगीर अहमद एवं प्रो. हसीना सहित कई वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। नवनियुक्त प्रदेश सचिव सोनू खान कायमखानी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प भी व्यक्त किया।

चावंडिया फूलडोल महोत्सव में भक्तिमय भजनों पर झूमे श्रद्धालु

थारी सेवा को सांवरिया माने काम मिल गयो, मारी रोजी रोटी को इंतजाम हो गयो... धर्मराज चावंडिया

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के चावंडिया गांव में बुधवार को श्री चारभुजा नाथ फूलडोल महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ, इसमें चारभुजा नाथ की अभिषेक, छप्पन भोग के साथ ही रात्रि में विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें राजस्थान के जाने-माने भजन गायक कलाकारों के द्वारा भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां दी, भक्तगण चारभुजा नाथ के भजनों पर मंत्र मुक्त होकर नाचे झूलने लगे । शंकर सिंह सोलंकी ने बताया कि फूलडोल कमेटी के सदस्यों एवं ग्रामीणों के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 24 वा फूलडोल महोत्सव का आयोजन बुधवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । बुधवार शाम 6:15 बजे चारभुजा नाथ रजत रैवाड़ी में विराजमान होकर निज मंदिर से बाहर निकले, जहां ग्रामीणों के द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया, वही डीजे, ढोल-नगाड़े के साथ चारभुजा नाथ की शोभा यात्रा गांव के विभिन्न मार्गो से होते हुए रात्रि 9:15 बजे चामुंडा माता तालाब स्थित फूलडोल पांडाल में पहुंची, इसके बाद रात्रि 10:15 बजे विशाल भजन संध्या की शुरुआत हुई, जिसमें श्री देव म्यूजिकल ग्रुप सूरास के बैनर तले धर्मराज मेजा ने गणपति वंदना व गुरु वंदना के साथ भजन संध्या की शुरुआत की । इसमें धर्मराज मेजा ने कौनी भुलुला गुण थारों गुरु सा मारों अबके तो जन्म सुधारों..., सियाराम जी का डंका लंका में बजवा दिया बजरंग बाला ने... आदि कई भजनों की प्रस्तुतियां दी । इसके बाद प्रेम शंकर जाट ने ठाकुर जी को मंदिर गांव चावंडिया अंदर, दर्शन करबा चाला..., चामुंडा रानी लाल चुंदड ओड मदिरिया में प्यारी लागे ये.... व तेजाजी सुरसुरा का ओ लीलण घोड़ी... आदि कई भक्तिमय भजनों पर श्रद्धालु झूमने लगे । फिर तृषा सुथार ने बैठा चावंडिया रे माई चारभुजा नाथ कहावो..., चामुंडा को मैलों आयो देखा ला रे फर-फर... व गढ़ मंडफिया में बैंठो सांवरों दिखे हद जोर... भजनों पर भक्तजन नाचने लगे । इनके बाद आयुष शर्मा आकोला ने बाज डीजे रिया बाज रिया ढ़ोल, चावंडिया के ठाकुर जी के आयो फूलडोल... सहित चावंडिया श्याम के भजनों की प्रस्तुतियां दी । गणेश सुथार ने मारी गाड़ी मारा घोड़ा रुपया लाख करोड़ों सब थारों सांवरा सेठ मारो तो कई कोने... व धर्मराज शर्मा चावंडिया ने थारी सेवा को सांवरिया माने काम मिल गयो, मारी रोजी रोटी को इंतजाम हो गयो... भजनों पर श्रद्धालु झूमे उठें । इसके बाद हंसा रंगीली ने बालम लाख रुपया रो मारो घाघरों इने फेर चावंडिया मेले चालणो रे... भजन की प्रस्तुति दी । इस दौरान नृत्यांगना पूजा राजस्थानी, हंसा रंगीली, पिंकी कोटा, राधिका कोटा ने अपने नृत्य से सबका मन मोह लिया । मंच का संचालन राजा बाबू ने किया । मध्य रात्रि को भजन संध्या के दौरान छप्पन भोग प्रसादी का वितरण किया गया । इस दौरान सवाईपुर चौकी प्रभारी प्यार चंद खटीक मय जाप्ता तैनात रहा । भजन संध्या भौंर तक चली, गुरुवार कल सुबह ठाकुर जी पुनः अपने निज मंदिर में पहुंचे।

कला दिवस पर बालिकाओं ने चित्रों से दिया जागरूकता का संदेश

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। पी.एम. श्री वीर माता माणिक कंवर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहपुरा में संचिना कला संस्थान की ओर से कला दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय जल बचाओ, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं पर्यावरण प्रदूषण रखा गया, जिसमें बालिकाओं ने आकर्षक चित्रों के माध्यम से समाज को जागरूकता का संदेश दिया।

प्रतियोगिता में कुल 20 बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता परिणाम में प्रथम स्थान पर सुनीता माली एवं मनीषा साहू रही। द्वितीय स्थान राधिका गुर्जर एवं नादिरा शेख ने प्राप्त किया, जबकि तृतीय स्थान दिशा सुनारिया ने हासिल किया।

प्रतियोगिता प्रभारी इंद्रा धूपिया ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर वाइस प्रिंसिपल पियुष गदिया, इंद्रा जैन, वरिष्ठ अध्यापिका आयशा सिद्दीकी, इंटर्न मेघा केलवानी एवं लैब असिस्टेंट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संचिना कला संस्थान के अध्यक्ष रामप्रसाद पारीक ने विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया। अंत में सभी प्रतिभागियों एवं विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया गया।

अखिल राजस्थान लेबोरेटरी टेक्नीशियन कर्मचारी संघ के शर्मा बने जिलाध्यक्ष

संगठन की एकता और लैब टेक्नीशियन संवर्ग की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव तत्पर रहेंगेः जिलाध्यक्ष संदीप शर्मा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। अखिल राजस्थान लेबोरेटरी टेक्नीशियन कर्मचारी संघ की जिला कार्यकारिणी के चुनाव आईएमए हॉल में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ संपन्न हुए। इस चुनावी घमासान में संदीप शर्मा ने भारी मतों से विजय प्राप्त कर जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली है। संघ के निवर्तमान जिलाध्यक्ष ईश्वर सिंह तंवर ने बताया कि 3 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर निर्वाचन प्रक्रिया अपनाई गई। कुल 136 मतदाताओं में से 95 सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन अधिकारी दिनेश चंद्र शर्मा के अनुसार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कास्या (ब्लॉक बिजोलिया) के लैब टेक्नीशियन संदीप शर्मा को 75 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी महात्मा गांधी अस्पताल के वरिष्ठ तकनीकी सहायक चंद्रकुमार शर्मा को 20 मत मिले। संदीप शर्मा को 55 मतों के अंतर से विजयी घोषित किया गया। शर्मा के निर्वाचन की घोषणा होते ही जिले भर के लैब टेक्नीशियनों और प्रयोगशाला सहायकों में हर्ष की लहर दौड़ गई। वर्तमान जिलाध्यक्ष ईश्वर सिंह तंवर ने उन्हें कार्यभार सौंपा। इस दौरान भागचंद सोनी, दिनेश चंद्र शर्मा, गोवर्धन सिंह शेखावत, आत्माराम धाकड़, उदयवीर सिंह कानावत, अशोक सोनी, नवीन मीणा, कमलेश मीणा, राहुल खटीक, अर्जुन सिंह तोमर और भैरूलाल साहू ने शर्मा को साफा बंधवाया। संगठन की महिला प्रकोष्ठ की ओर से अंजू सोमानी, हिना धवल, वर्षा सांखला, शिवानी जीनघर और भाग्यश्री ने पुष्प गुच्छ भेंट किया। विजय के पश्चात नवनियुक्त जिलाध्यक्ष संदीप शर्मा ने सभी मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि वे संगठन की एकता और लैब टेक्नीशियन संवर्ग की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

रकमा प्रदेश संरक्षक व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष जाहिद अली बने राजस्थान शासन सचिवालय अधिकारी संघ के महामंत्री

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। राज.अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन के प्रदेश संरक्षक व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष जाहिद अली को राजस्थान शासन सचिवालय अधिकारी संघ में महामंत्री बनने पर राज.अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन शाहपुरा व भीलवाड़ा ईकाई पर बैठक आयोजित कर खुशी जाहिर की गई। राजस्थान शासन सचिवालय में आज राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ की नव-निर्वाचित कार्यकारिणी का भव्य एवं गरिमामय शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा की गई।जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के केबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी उपस्थित रहे।समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर जाहिद अली, जो वर्तमान में सेक्शन ऑफिसर के पद पर शासन सचिवालय में कार्यरत हैं, को राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के महामंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। यह उल्लेखनीय है कि वे इस पद पर आसीन होने वाले प्रथम मुस्लिम अधिकारी हैं, जिससे संघ के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ा है।जाहिद अली इससे पूर्व राज. अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (रकमा) के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। उनके कुशल नेतृत्व अनुभव एवं संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए सचिवालय संघ के सदस्यों में उत्साह एवं नई उम्मीदों का माहौल है।समारोह में सचिवालय संघ के वरिष्ठ अधिकारीगण, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने नव-निर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रकमा के भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष मोहम्मद सलीम डायर ने शासन सचिवालय अधिकारी संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी व महामंत्री जाहिद अली को बधाई संदेश द्वारा शुभकामनाएं दी। साथ ही रकमा की स्थानीय इकाई द्वारा संचालित रकमा कोचिंग क्लासेस पर उपस्थित होकर रकमा पदाधिकारीयों व अधिकारी कर्मचारीयों ने खुशी जाहिर की।

कार्मिक जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करें ताकि चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता और निखरेः डॉ. संजीव शर्मा

आईएमए हॉल में मनाया गया लैब टेक्नीशियन दिवस, भीलवाड़ा मॉडल की सफलता के अनसंग हीरोज का सम्मान

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। चिकित्सा क्षेत्र में बीमारी की जड़ तक पहुंचने और सही उपचार की राह दिखाने वाले लैब टेक्नीशियनों का समागमएमजीएच के आइएमए हॉल में आयोजित हुआ। अखिल राजस्थान लैबोरेट्री टेक्नीशियन कर्मचारी संघ के तत्वावधान में आयोजित इस जिला स्तरीय समारोह में चिकित्सा जगत की विभूतियों ने शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता करते हुए मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. वर्षा अशोक सिंह ने कहा कि लैब टेक्नीशियन चिकित्सा विभाग के ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जिनके बिना कोई भी चिकित्सीय जानकारी पूर्ण नहीं हो सकती। उन्होंने कार्मिकों के तकनीकी ज्ञान की सराहना की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद अधीक्षक महात्मा गांधी चिकित्सालय डॉ. अरुण गौड़ ने भावुक होते हुए कहा कि कोविड-19 के दौरान जिस भीलवाड़ा मॉडल की गूंज पूरी दुनिया में हुई, उसे सफल बनाने में लैब टेक्नीशियनों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण थी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिला अस्पताल की 4000 से 5000 की भारी-भरकम ओपीडी के बीच भी अधिकांश मरीजों को जांचों का त्वरित लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शर्मा ने आह्वान किया कि कार्मिक जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करें ताकि चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता और निखरे।

उन्होंने संगठन की समस्याओं के निराकरण का भी भरोसा दिलाया। समारोह के दौरान अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामकेश गुर्जर, पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक जैन, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. दीपक गोयल, प्रभारी सेंट्रल लैब डॉ. अंकुर गुप्ता और जिला खाद्य निरीक्षक अशोक यादव ने भी विचार व्यक्त कर लैब कार्मिकों का उत्साहवर्धन किया। जिलाध्यक्ष ईश्वर सिंह तंवर ने बताया कि कार्यक्रम में जिले भर से आए लैब टेक्नीशियन और प्रयोगशाला सहायकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मंच से वक्ता भागचंद सोनी, अंजू सोमानी, अरुण गेलड़ा, प्रयोगशाला सहायक संघ अध्यक्ष नवनीत उपाध्याय, लैब टेक्नीशियन संघ के पदाधिकारी आत्माराम धाकड़, गोपाल लाल डीडवानिया, नवीन मीणा, कमलेश मीणा, हीना धवल और वर्षा सांखला ने भी विचार रखे। सभी वक्ताओं ने लैब टेक्नीशियन के हितों और चिकित्सा व्यवस्था में उनके अनिवार्य योगदान पर प्रकाश डाला।

गंगापुर में महिलाओं को एफएसटीपी के फायदों की दी जानकारी, स्वच्छता पर दिया जोर

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) की सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता इकाई द्वारा वार्ड नंबर 24, रेगर मोहल्ला (रामदेव मंदिर के पास) में महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के तहत समूह चर्चा के माध्यम से महिलाओं को साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि घर एवं आसपास स्वच्छता रखने से मच्छर-मक्खियों की समस्या कम होती है, जिससे डेंगू, मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। साथ ही मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रहने के लिए विशेष सावधानियां बरतने की अपील की गई।

सहायक सामाजिक विकास अधिकारी रेखा खटीक ने महिलाओं को जानकारी देते हुए बताया कि घरों के सेप्टिक टैंकों से निकलने वाले मलजल को एकत्रित कर नेहरू नगर में निर्माणाधीन एफएसटीपी (फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) तक पहुंचाया जाएगा। वहां इस मलजल का वैज्ञानिक तरीके से उपचार कर उसे खाद में परिवर्तित किया जाएगा, जिसका उपयोग खेती में किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया से गंदगी की समस्या से निजात मिलेगी और वातावरण स्वच्छ व स्वस्थ बना रहेगा।

कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं– गीता रेगर, कमला रेगर, उद्दी रेगर, घीसी देवी, सुगना, पूजा एवं शांति देवी रेगर सहित अन्य महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

राजस्थान पुलिस दिवस पर पुलिस लाईन परेड ग्राउंड मे हुए कई आयोजन

राजस्थान पुलिस दिवस समारोह के अवसर पर कुल 53 पुलिसकर्मियों को सेवा चिन्ह प्रदान किये गये

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा आईपीएस एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बून्दी के निर्देशन में एवं उमा शर्मा आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध अनुसंधान सेल बून्दी जसवीर मीणा आरपीएस के सुपरविजन में आज पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में राजस्थान पुलिस दिवस के अवसर पर भव्य परेड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के अधिकारियों, जवानों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राजस्थान पुलिस दिवस के शुभ अवसर पर पुलिस लाइन, परेड ग्राउंड बून्दी में एक भव्य परेड का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक बून्दी अवनीश कुमार शर्मा (ढ्ढक्क) के कुशल मार्गदर्शन एवं सुपरविजन में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारियों, जवानों तथा अन्य गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। मौके पर पुलिस विभाग की उपलब्धियों और सेवाओं को भी रेखांकित किया गया।पुलिस अधीक्षक बून्दी ने उपस्थित पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान पुलिस सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं जनता की सेवा में सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दोरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले 53 पुलिसकर्मियों को सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया । तथा दिनांक 15.04. 2026 को आयोजित क्विज प्रतियोगिता में विजेता स्कली बच्चो को नगद पुरस्कार मय प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक बून्दी सहित अन्य अधिकारीयो द्वारा परेड ग्राउंड में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया गया ।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आज जिला पुलिस बूंदी द्वारा पुलिस लाईन बून्दी में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस पुनीत अवसर पर पुलिस कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। रक्तदान शिविर में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा कुल 32 यूनिट रक्तदान किया गया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे मानव जीवन बचाने का सबसे बड़ा माध्यम बताया। जिला पुलिस अधीक्षक ने सभी रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस बल न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने में अग्रणी है, बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी हमेशा आगे रहता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में चिकित्सा टीम एवं पुलिस स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा।

पुलिस स्थापना दिवस (16 अप्रैल) के अवसर पर पुलिस मुख्यालय जयपुर के आदेशानुसार दिनांक 15.04.2026 को पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बून्दी में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों हेतु जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता जिला शिक्षा अधिकारी से समन्वय स्थापित कर नोडल अधिकारी श्रीमती उमा शर्मा आरपीएस (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बून्दी) के निर्देशन में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों के ज्ञान, तार्किक क्षमता एवं जागरूकता को परखा गया। प्रश्नों में राजस्थान पुलिस की सामान्य जानकारी, कानून व्यवस्था, एवं समसामयिक विषयों को शामिल किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने विद्यार्थियों को कानून के प्रति जागरूक रहने एवं समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में चयनित प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं 5 सांत्वना पुरस्कार सहित कुल 08 प्रतिभागियों को दिनांक 16.04.2026 को पुलिस लाइन परेड ग्राउंड बून्दी में पुरस्कार स्वरुप नकद राशि एवं मय प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

दिनांक 15.04.2026 को राजस्थान पुलिस दिवस के उपलक्ष्य में बून्दी पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं को पुलिस थानों का शैक्षिक भ्रमण करवाया गया, जहां उन्हें पुलिस कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने, महिला सुरक्षा के अधिकारों एवं हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी, तथा सड़क पर सुरक्षित रहने के लिए यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों द्वारा बच्चों के सवालों के जवाब देकर उन्हें जागरूकएवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया। जिला पुलिस का उद्देश्य है कि समाज के हर वर्ग, विशेषकर युवाओं में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़े और वे कानून का सम्मान करते हुए सुरक्षित वातावरण के निर्माण में सहयोग करें।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर 67 जवान सम्मानित

एसपी ने ली परेड की सलामी

स्मार्ट हलचल

बारां। जिला मुख्यालय पर गुरुवार को राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर विभित्र कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इस दौरान जिले के 67 पुलिस जवानों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य समारोह पुलिस लाइन मैदान में हुआ, जहां पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने परेड की सलामी ली। पुलिस अधीक्षक अंदासु ने इस अवसर पर पुलिस बल के अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठ और समर्पण की सराहना की। परेड में शामिल जवानों ने अनुशासित प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित अधिकारियों और अतिथियों ने सराहा।

सम्मानित किए गए 67 पुलिस जवानों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण आमजन की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस अवसर पर हैड कांस्टेबल श्रीमती प्रिति जैन

उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर वेदी जैन को 8ह्लद्ध क्लास में 90.66 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुलिस लाइन में रक्तदान शिविर में पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान भी किया।

खंडेलवाल बगीचे में परिंडे बांधकर दिया जीव सेवा का संदेश

स्मार्ट हलचल

हरनावदाशाहजी। भीषण गर्मी के चलते पक्षियों के लिए जल व्यव-स्था सुनिश्चित करने हेतु खंडेलवाल बगीचे में परिंडे बांधने का सराहनीय कार्य किया गया। इस पहल का नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महिला मंडल की स्थानीय अध्यक्ष विजयलक्ष्मी खंडेलवाल ने किया।

इस दौरान महिलाओं ने पेड़ों पर परिंडे बांधकर उनमें नियमित रूप से पानी भरने का संकल्प लिया, ताकि गर्मी में पक्षियों को प्यास से राहत मिल सके। कार्यक्रम के माध्यम से जीव सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर रेखा खंडेलवाल, मीना बुसर, हेमा बुसर, विजयलक्ष्मी खंडेलवाल, संजना खंडेलवाल, सीमा खंडेलवाल सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया और समाज को प्रेरित करने का कार्य किया।

जिला स्तरीय जनसुनवाई का हुआ आयोजनः कार्यवाहक जिला कलक्टर ने सुनी आमजन की परिवेदनाएं, किया मौके पर निस्तारण

स्मार्ट हलचल|बूंदी

आमजन की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए शुरू की गई त्रिस्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के तहत गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कार्यवाहक जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा ने आमजन की परिवेदनाएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में कचरा पॉइंट पर फैले कचरे का व्यवस्थित उठाव करवाने, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (ह्रस्नस्न) के तहत गेहूं दिलवाने, सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटवाने और सरकारी दस्तावेजों में नाम शुद्धीकरण, बिजली पोल हटवाने, सड़क की मरम्मत करवाने सहित विभिन्न जन समस्याओं से संबंधित कुल 25 प्रकरण प्राप्त हुए।

कार्यवाहक जिला कलक्टर ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का पूरी संवेदनशीलता के साथ त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को तत्काल राहत प्रदान की जा सकें। जिला स्तरीय जनसुनवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहें।

संपर्क पोर्टल के लंबित प्रकरणों की हुई समीक्षा

इस दौरान जिला कलक्टर ने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के निस्तारण की भी समीक्षा की। उन्होंने पोर्टल पर लंबित प्रकरणों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इन्हें शीघ्रता से निस्तारित करें। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसवीर मीणा, उपखंड अधिकारी बूंदी लक्ष्मीकांत मीणा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

केडीए आयुक्त बचनेश कुमार अग्रवाल का किया अभिनंदन

समस्याओं के त्वरित समाधान का मिला आश्वासन

स्मार्ट हलचल|कोटा

राजीव गांधी नगर विकास समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आज कोटा विकास प्राधिकरण के आयुक्त बचनेश कुमार अग्रवाल से शिष्टाचार भेंट कर उनका हार्दिक अभिनंदन किया। इस दौरान समिति ने कॉलोनी की मूलभूत आवश्यकताओं और स्थानीय समस्याओं से आयुक्त महोदय को अवगत कराया।

समिति के महासचिव एडवोकेट हिम्मत सिंह बालूपा ने जानकारी दी कि चर्चा के दौरान आयुक्त अग्रवाल ने सभी विषयों को गंभीरता से सुना और उनके अतिशीघ्र एवं उचित समाधान का समिति को आश्वासन दिया।

उपस्थित सदस्यों ने आयुक्त महोदय के सकारात्मक एवं जन-हितैषी दृष्टिकोण की सराहना करते हुए यह विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल नेतृत्व में क्षेत्र के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित हो सकेगा।

अभिनंदन कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष प्रतीक गोयल, महामंत्री हिम्मत सिंह 'बालूपा', सह-कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, संरक्षक मनोहरलाल गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य हेमराज नागर तथा आशीष चौधरी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

भगवान परशुराम प्राकट्य महोत्सव 2026 की तैयारियां तेज, बैठक सम्पन्न

18 अप्रैल को निकलेगी भव्य शोभायात्रा, समाज के वरिष्ठजन व जनप्रतिनिधियों ने रखे सुझाव

स्मार्ट हलचल| कोटा

भगवान परशुराम प्राकट्य महोत्सव 2026 के सफल आयोजन को लेकर कोटा में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में श्री महर्षि दधीचि छात्रावास समिति, कोटा संभाग एवं सर्व ब्राह्मण समाज, कोटा के संयुक्त तत्वावधान में दाधीच छात्रावास परिसर में एक वृहद बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शहर के 32 ब्राह्मण संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लेकर आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की।

सभा में गोदावरी धाम के महंत बाबा शैलेंद्र भार्गव, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, छात्रावास समिति के अध्यक्ष रविंद्र जोशी, महामंत्री निमेष पुरोहित, एडवोकेट परमेश्वर दयाल दाधीच, उपाध्यक्ष राम कल्याण दाधीच, एडवोकेट चंद्र प्रकाश दाधीच, गोपाल शर्मा, दाधीच महिला मंडल अध्यक्ष स्मिता शर्मा एवं रामस्वरूप शर्मा सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने 18 अप्रैल 2026 को भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा को ऐतिहासिक स्वरूप देने पर जोर दिया।

बैठक में नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र त्यागी एवं कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष गोविंद शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिकों, युवाओं एवं मातृशक्ति की उपस्थिति रही। वक्ताओं ने आयोजन को समाज की एकता, संस्कृति और परंपरा के सशक्त प्रदर्शन का माध्यम बताया।

इस अवसर पर रमेश चंद्र दाधीच 'नीमोला वाले' द्वारा रचित भगवान परशुराम के जीवन चरित्र एवं दर्शन पर आधारित एक शोध-पत्र का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में दाधीच युवा मंडल अध्यक्ष कमल दाधीच सहित बड़ी संख्या में युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

दुःख की घड़ी में साथः कोटा दुग्ध संघ ने बढ़ाया मदद का हाथ

कोटा दुग्ध संघ की संवेदनशील पहलः दिवंगत सचिवों के परिवारों को आर्थिक सहायता

स्मार्ट हलचल| कोटा

कोटा दुग्ध संघ ने सामाजिक सरोकारों का परिचय देते हुए जय-स्थल समिति के दिवंगत सचिव स्वर्गीय रघुवीर गुर्जर एवं हीरापुर समिति के दिवंगत सचिव स्वर्गीय हरगोविंद की आकस्मिक मृत्यु के पश्चात उनके परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान किया है। अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़ ने बताया की

संघ द्वारा सचिव कल्याण कोष के अंतर्गत दोनों दिवंगत सचिवों की पत्नियों को परिवार के भरण-पोषण हेतु 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई।

संघ के अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़ ने दोनों परिवारों को संवेदना व्यक्त करते हुए सहायता राशि के चेक सौंपे। इस अवसर राठौड़ ने कहा कि दुग्ध संघ अपने सदस्यों और कर्मचारियों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध है तथा संकट की घड़ी में उनके परिवारों के साथ खड़ा रहना संस्था का दायित्व है।

जीनगर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने बिरला से की शिष्टाचार भेंट

दिल्ली में समाज की समस्याओं से कराया अवगत

स्मार्ट हलचल|कोटा

अखिल भारतीय जीनगर महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट कर जीनगर समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने समाज के विकास, शिक्षा एवं संगठनात्मक गतिविधियों से संबंधित विषयों को उनके समक्ष रखा।

लोकसभा अध्यक्ष ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि समाज की समस्याओं के समाधान हेतु यथासंभव सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान के लिए केंद्र स्तर पर भी आवश्यक पहल पर विचार किया जाएगा। जीनगर के अध्यक्ष भंवरलाल खींची ने बताया कि इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने कोटा में निर्माणाधीन छात्र-छात्राओं के छात्रावास के लोकार्पण कार्यक्रम एवं अखिल भारतीय जीनगर समाज की प्रस्तावित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने का आमंत्रण दिया, जिसे लोकसभाध्यक्ष बिरला ने सहर्ष स्वीकार किया।

जीनगर समाज कोटा के महामंत्री थानमल डाबी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिनिधिमंडल में कोटा इकाई के अध्यक्ष भंवरलाल खींची, कैलाश सोनगरा, अखिल भारतीय जीनगर महासभा (एकीकरण) के अध्यक्ष लोकेश परमार (उदयपुर), महासचिव ओमप्रकाश डाबी (दिल्ली), कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण सिसोदिया सहित चंपालाल चितारा (जोधपुर), बजरंग लाल खत्री, विजय निर्माण (लखनऊ), ताराचंद बागड़ी, ओमप्रकाश गहलोत (रोहतक), ओमप्रकाश गहलोत (पानीपत), मुरली कृष्ण ढालिया, महेंद्र ढालिया (दिल्ली) एवं हेमेंद्र चौहान (उदयपुर) उपस्थित रहे।

कोटा के पिप्पलेश्वर महादेव मंदिर में त्रिदिवसीय अष्टम् प्राण प्रतिष्ठा महामहोत्सव 20 अप्रैल से

रक्तदान, सहस्त्रघट महाभिषेक, भजन संध्या व भण्डारे का भव्य आयोजन, भजनो की सरिता बहाईयेंगी सुश्री आरूषी गम्भीर

स्मार्ट हलचल| कोटा

कम्पीटीशन कॉलोनी, रंगबाड़ी रोड़, महावीर नगर तृतीय स्थित भगवान श्री पिप्पलेश्वर महादेव मन्दिर में पाटोत्सव-2026 के पावन अवसर पर अष्टम् प्राण प्रतिष्ठा महामहोत्सव का भव्य एवं विराट आयोजन होगा जिसमें रक्तदान, सहस्त्रघट महाभिषेक, भजन संध्या व भण्डारे तक विभिन्न आयोजन होंगे।अध्यक्ष भारत भूषण ने बताया कि भगवान श्री पिप्पलेश्वर महादेव सेवा समिति द्वारा आयोजित यह त्रिदिवसीय वार्षिक महामहोत्सव 20 अप्रैल,सोमवार से प्रारंभ होकर 22 अप्रैल बुधवार को सम्पन्न होगा। महामंत्री जागेश्वर पाल गौड़ ने बताया कि इस तीन दिवसीय महोत्सव में धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सुनियोजित समायोजन किया गया है। 20 अप्रैल को सुबह 9 बजे से पिप्पलेश्वर वाटिका स्थित मंदिर प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।21 अप्रैल को सहस्त्रघट महाभिषेक प्रातः 8 बजे से भगवान भूतनाथ की विशेष कृपा से प्रतिवर्ष मात्र एक बार आयोजित अतिदुर्लभ, सुन्दर, विशेष फलदायक, दर्शनीय 1008 जलधाराओं से सम्पन्न होने वाले महाभिषेक के दिव्य दर्शन प्राप्त होंगे। 21 अप्रैल को रात्रि 8 बजे भजन संध्या का आयोजन होगा जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री आरुषी गम्भीर नई दिल्ली द्वारा मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। 22 अप्रैल 2026 (वैशाख शुक्ल पंचमी) को सायं 4 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों की संख्या में भक्तजन प्रसाद ग्रहण करेंगे।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर पुलिस अधिकारियों का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

सांगोद। 16 अप्रेल को सांगोद अदम्य साहस वह समर्पण की प्रतिक राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर वक्फ कमेटी सदर मिर्जा मुश्ताक अहमद जिला देहात कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असरार अहमद के द्वारा सांगोद पुलिस प्रशासन के समस्त पुलिस पदाधिकारियों को साफी भेंट कर वह माला पहनाकर स्वागत और सम्मान किया सांगोद पुलिस उप अधीक्षक नरेन्द कुमार वह थाना अधिकारी अनिल कुमार ने अदम्य साहस एवं समर्पण के प्रतीक राज-स्थान पुलिस स्थापना दिवस के इस अवसर पर कहा है कि हम अपनी जिम्मेदारियों को हर समय ईमानदारी के साथ करने को तत्पर और तैयार रहते हैं हमारा मकसद अपराधियों में भय वह आम जन में विश्वास कायम करना है स्वागत व सम्मान करने में मोहम्मद असरार भी मौजूद रहे।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में हुआ समस्याओं का त्वरित समाधान, 6 महत्वपूर्ण प्रकरणों का निस्तारण

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। आमजन की समस्याओं के प्रभावी निराकरण और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला जन अभाव-अभियोग एवं सतर्कता समिति की मासिक बैठक एवं जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में अधिकारियों को लंबित प्रकरणों पर कड़ा रुख अपनाने के निर्देश दिए गए।

सतर्कता समिति: दिव्यांग पेंशन और कृषि कनेक्शन पर बड़ी राहत

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्म लाल जाट ने बताया कि सतर्कता समिति के समक्ष कुल 22 परिवाद चर्चा के लिए रखे गए थे। प्रशासन की सक्रियता से इनमें से 6 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

प्रमुख उपलब्धियाँ: दिव्यांग पेंशन आवेदन में आ रही तकनीकी बाधाओं को दूर किया गया।

अंबेडकर अंतर्जातीय विवाह योजना के तहत लाभार्थियों को राहत प्रदान की गई।

नए कृषि विद्युत कनेक्शन और शहरी क्षेत्रों में रोड लाइट की समस्याओं का समाधान किया गया।

शेष 16 प्रकरणों के लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई: 19 नए मामले आए सामने

जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कुल 19 नए परिवाद प्राप्त हुए। जिला कलेक्टर ने एक-एक परिवादी की समस्या को सुना और मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन शिकायतों का निस्तारण केवल कागजों में नहीं, बल्कि धरातल पर होना चाहिए।

'प्रशासन का मुख्य ध्येय अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना और उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान करना है।' – जिला प्रशासन, ब्यावर

तकनीक से जुड़ा प्रशासन

इस बैठक की खास बात यह रही कि जिला मुख्यालय के अधिकारियों के साथ-साथ सभी ब्लॉक एवं उपखण्ड स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। इससे दूर-दराज के क्षेत्रों की समस्याओं पर भी तत्काल फीडबैक लेना संभव हो सका। बैठक में नगर परिषद आयुक्त श्रवण राम, तहसीलदार हनुत सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे।

पुलिस स्थापना दिवस पर साइबर फ्रॉड बचाव के साथ महिला सुरक्षा बालिका सुरक्षा को लेकर दी जानकारी

स्मार्ट हलचल

महुवा। उपखंड मुख्यालय के पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को 77 वें पुलिस स्थापना दिवस पर साइबर फ्रॉड की जानकारी व बचाव कार्यक्रम आयोजित हुआ।सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि महवा थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार मीना, सहायक उप निरीक्षक देशराज व प्रधानाचार्य हनुमान प्रसाद मीना द्वारा मां सरस्वती के मंदिर में माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलन से की गई।तत्पश्चात सभी अतिथियों का विद्यालय स्टाफ द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।थानाधिकारी राजेंद्र कुमार मीना द्वारा 77 वें पुलिस स्थापना दिवस (16 अप्रैल 1949) के अवसर पर छात्राओं को साइबर अपराध लेसन पर विस्तार से जानकारी दी गई।उन्होंने छात्राओं को सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो, पिक्चर शेयर न करने, अपरिचित को आईडी पासवर्ड शेयर करने से बचने, मोबाइल का आवश्यक होने पर ही उपयोग करने की जानकारी दी।थानाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जाने की जरूरत ही नहीं है।बच्चे रील बनाने से बचें।रील में सुन्दर से अति सुन्दर दिखने का झूंठा शौक नहीं पालें।उन्होंने साइबर अपराधों के कई उदाहरण भी दिए।इस पर छात्रा काजल मीना, दिया शर्मा, दिव्यांशी सोनी, क्षमा खोवाल सहित दर्जनों छात्राओं ने पुलिस व साइबर फ्रॉड से जुड़े सवाल किए।उन्होंने एटीएम, बैंक खाता के फ्रॉड के बचाव भी बताए।सेक्स टॉर्शन पर भी छात्राओं को जागरूक किया।उन्होंने ऐसे मामले सामने आने पर थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने स्वयं के मोबाइल नंबर 992808 2648 देकर सूचना देने की अपील की।साथ ही हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल सूचना देने को कहा।अंत में प्रधानाचार्य हनुमान प्रसाद मीना ने सभी अतिथियों का आभार जताया।

इस दौरान पुलिस स्टाफ के एएसआई देशराज, सनी, लाखन महिला सुरक्षा सखी अनीता अवस्थी व विद्यालय स्टाफ सहित सैंकड़ों छात्राएं मौजूद थी।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर ऋषि लंबा ने वीर जवानों के जज्बे को किया सलाम

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। समाज में अराजकता के विरुद्ध सुरक्षा की दीवार बनकर खड़े रहने वाले राजस्थान पुलिस के जवानों के सम्मान में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश कोऑर्डिनेटर एवं जिला कांग्रेस सेवादल के जिला प्रवक्ता ऋषि लंबा ने भावपूर्ण संदेश जारी किया है। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर लंबा ने पुलिस बल के त्याग, तपस्या और बलिदान को नमन करते हुए प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

आमजन में विश्वास, अपराधियों में भय' मात्र नारा नहीं, संकल्प है

ऋषि लंबा ने कहा कि राजस्थान पुलिस केवल एक वर्दीधारी बल नहीं है, बल्कि यह न्याय की वह उम्मीद है जो समाज के अंतिम व्यक्ति को सुरक्षा का अहसास कराती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जब पूरा शहर सुकून की नींद सोता है, तब 'खाकी' की जागती आँखें ही हमारी सुरक्षा का आधार होती हैं। अपराधियों की रीढ़ तोड़कर कानून का शासन स्थापित करना ही इस बल की असली पहचान है।

अविराम सेवा और मानवीय चेहरा

लंबा ने पुलिसकर्मियों के मानवीय पक्ष की सराहना करते हुए कहा कि विषम परिस्थितियों, कड़कड़ाती धूप या बारिश और त्योहारों के समय अपने परिवार से दूर रहकर समाज को अपना परिवार मानना त्याग की पराकाष्ठा है। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि पुलिस का समर्पण ही राजस्थान की शांति का असली सूत्रधार है।

सेवा और समर्पण का संगमः पुलिस स्थापना दिवस पर ब्यावर में 59 यूनिट रक्तदान, मेधावी बच्चे और पुलिस मित्र सम्मानित

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान पुलिस के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन, ब्यावर में 'सेवा, समर्पण एवं जनसहभागिता' के संकल्प के साथ गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किए गए। समारोह की शुरुआत जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा भव्य परेड की सलामी लेकर की गई।

कर्तव्यनिष्ठा का आह्वान

उपस्थित पुलिस अधिकारियों, जवानों, सेवानिवृत्त कर्मियों और सुरक्षा सखियों को संबोधित करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि राजस्थान पुलिस सदैव आमजन की सुरक्षा और समाज में विश्वास कायम करने के लिए तत्पर है। उन्होंने सभी कार्मिकों को पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ जनसेवा करने की शपथ दिलाई।

मानवता की मिसालः रक्तदान शिविर

स्थापना दिवस को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए पुलिस लाइन में एक विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें पुलिसकर्मियों और आम नागरिकों ने उत्साह दिखाते हुए कुल 59 यूनिट रक्तदान किया, जो मानवता की सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण बना।

प्रतिभाओं का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया गयाः खेलकूदः अजमेर रेंज द्वारा भीलवाड़ा में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। शिक्षाः पुलिस परिवार के उन प्रतिभावान बच्चों को पुरस्कार मिले जिन्होंने पिछले शैक्षणिक वर्ष में शानदार अंक प्राप्त किए। जनसहभागिताः पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने वाले पुलिस मित्रों, सीएलजी सदस्यों और सुरक्षा सखियों का उत्साहवर्धन किया गया।

जागरूकता अभियान और क्विज प्रतियोगिता

विद्यार्थियों को कानून और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए राजकीय सनातन उ.मा.वि. देलवाड़ा रोड में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहाँ क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को नवीन कानूनों, साइबर क्राइम, महिला सुरक्षा, यातायात नियमों और राजकॉप सिटीजन एप की जानकारी दी गई। विजेता छात्रों को पुरस्कृत कर आगामी रेंज स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया। पुलिस का ध्येय केवल कानून व्यवस्था बनाना ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के साथ जुड़ाव पैदा करना भी है।

19 अप्रैल को ग्राम बनेठा में होगा माली समाज का तृतीय सामूहिक विवाह सम्मेलन

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट। उपखंड उनियारा क्षेत्र के बनेठा कस्बे में माली (सैनी) समाज के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 19 अप्रैल (आखातीज) के अबूझ सावे पर आयोजित इस भव्य समारोह को लेकर समाज के लोगों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

बनेठा कस्बे के बालाजी के बाग प्रांगण में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं, जिनमें दूल्हा-दुल्हन के लिए पंडाल, भोजन, और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जा रही है।सामूहिक विवाह सम्मेलन में 70 से 80 के लगभग जोड़े परिणय सूत्र में बंधकर एक दूजे के हमसफर बनेंगे।जिसके लिए समितियां गठित की जा चुकी हे।

समिति से जुड़े हरिराम सैनी ने बताया कि सम्मेलन को लेकर समितियों का गठन कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कलश शोभा यात्रा वर-वधु की शोभायात्रा, पाणिग्रहण संस्कार आदि होंगे।इस आयोजन का उद्देश्य समाज में फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाना है।यह आयोजन समाज को एक नई दिशा देने और सामाजिक कुरीतियों को मिटाने की दिशा में एक अहम कदम है।

ज्ञानज्योति कनेरा विद्यार्थियों ने थाने का शैक्षणिक भ्रमण किया पुलिस की कार्यप्रणाली से हुए रूबरू

स्मार्ट हलचल

कनेरा। उप तहसील के स्वामी विवेकानंद कॉलोनी में संचालित ज्ञानज्योति माध्यमिक विद्यालय के भैया बहनों को कनेरा थाने का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। इस अवसर पर थाने में उपस्थित अधिकारियों ने भैया बहनों को पुलिस की कार्यप्रणाली एवं विभिन्न विभागों के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को वर्तमान समय में होने वाले विभिन्न अपराधों के प्रकार एवं विभिन्न जुर्मानो के बारे में जानकारी दी ।भैया बहनों को पुलिस कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए एएसआई प्रकाश चंद्र खटीक ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य हे आम जन में विश्वास अपराधियों में डर ।ऐसे कार्यक्रमों से पुलिस के प्रति जागरूकता और विश्वास बढ़ता है।

इस अवसर पर भैया बहनों ने अपने जिज्ञासा के प्रश्न पूछे जिनके उत्तर ए एस आई खटीक द्वारा सरल और योग्य तरीके से दिए गए। इस अवसर पर कनेरा थाना स्टाफ के जवान , महिला कांस्टेबल व विद्यालय स्टाफ उपस्थित था। संस्थाप्रधान राम प्रसाद धाकड़ ने बताया कि इस अवसर पर कक्षा आठ व पांच में ए ग्रेड प्राप्त करने वाले भैया बहनों को थाना अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया।

भीलवाड़ा में अधूरी 80 फीट सड़क बनी आफत, करोड़ों खर्च के बाद भी काम अधूरा

ईरास स्टीवर्ड स्कूल रोड पर धूल-खड्डों से लोग परेशान, यूआईटी पर लापरवाही के आरोप; आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के कोटा रोड स्थित ईरास से देवछाया विहार कॉलोनी तक जाने वाला 80 फीट मुख्य मार्ग इन दिनों लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। नगर विकास न्यास (ढ्ढ') द्वारा करोड़ों रुपये की स्वीकृति के बावजूद सड़क का कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से कॉलोनिवासियों और किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

बताया जा रहा है कि यह मार्ग ईरास स्टीवर्ड स्कूल से देवछाया विहार, एपीजे अब्दुल कलाम नगर

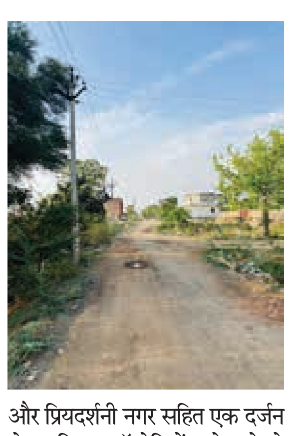

और प्रियदर्शनी नगर सहित एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण जीवनरेखा है, लेकिन आधा निर्माण कर कार्य रोक देने से हालात बदतर हो गए हैं। जगह-जगह गहरे गड्ढे, उड़ती धूल और टूटे रास्ते के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, वहीं स्कूली बच्चों, मरीजों और किसानों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा के प्रदेश महामंत्री गोपाल लाल माली ने कई बार यूआईटी में आपत्ति दर्ज करवाई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद काम का ठप रहना विभागीय लापरवाही और निगरानी की कमी को उजागर करता है।

स्थानीय लोगों का सवाल है कि स्वीकृति के बाद भी सड़क अधूरी क्यों है? जिम्मेदार अधिकारी चुप क्यों हैं? क्या आम जनता की समस्याएं प्रशासन के लिए कोई मायने नहीं रखती?

कॉलोनिवासियों और किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अब सबकी नजर जिला प्रशासन पर टिकी है कि वह इस गंभीर मुद्दे पर कब संज्ञान लेकर कार्रवाई करता है।

कांग्रेस अभाव अभियोग प्रकोष्ठ का प्रांतीय सम्मेलन सम्पन्न

सी.पी. जोशी, टीकाराम जूली, प्रताप खाचरियावास सहित नेताओं ने 'संगठन बढ़ाओ' का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अभाव अभियोग प्रकोष्ठ का प्रांतीय सम्मेलन भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। आयोजन प्रदेश अध्यक्षा योगिता पंकज शर्मा (काकू) के नेतृत्व में हुआ, जिसमें पीसीसी संगठन महासचिव ललित टुनवाल, अमीन पठान सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री सी.पी. जोशी, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने संगठन को मजबूत करने और आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सुरेशचंद्र पारीक, राधेश्याम शर्मा सहित अनेक पदाधिकारियों ने भाग लिया और 'संगठन बढ़ाओ' अभियान को गति देने का संकल्प लिया।

धीरजी का खेड़ा पहुंचे विधायक आक्या, सेना के जवान के निधन पर परिवार को नम आंखो से दी सांत्वना

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। भारतीय सेना के जवान पंचायत समिति भदेसर के ग्राम धीरजी का खेड़ा निवासी पहलवान गुर्जर के निधन का समाचार सुनकर विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने उनके ग्राम पहुंचकर परिवार को नम आंखो से सांत्वना दी।

इस अवसर पर विधायक आक्या ने परिवार को हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाते हुए कहा की आज भारत माता ने अपने वीर सपूत को खो दिया है। पहलवान गुर्जर ने भारतीय सेना में रहकर अपनी बहादुरी का परचम फहराया था, उन्होंने देश की रक्षा करने में अपना सर्वस्व देश के लिए अर्पण कर दिया। उनके पराक्रम को कभी भुलाया नहीं जा सकता हम सभी को उनकी बहादुरी पर गर्व है। उनकी वीरता, देशभक्ति और साहस हम सभी के लिए प्रेरणा है। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी रजनी मीणा, पुलिस उपाधीक्षक विनोद लखेरा, तहसीलदार शिव सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अशोक रायका, भदेसर मण्डल अध्यक्ष हीरालाल रायका, पूर्व मण्डल अध्यक्ष पवन आचार्य, पूर्व सरपंच बगदीराम रायका, जीएसएस अध्यक्ष मंगलसिंह, मिठुसिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारीगण व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सावधान : आज इन क्षेत्रों में 4 घंटे गुल रहेगी बिजली, सुबह 8 बजे से 12 बजे तक होगा शटडाउन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के औद्योगिक एवं रिहायशी क्षेत्रों में आज शुक्रवार, 17 अप्रैल को विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ड्ड्ढरु) के अनुसार 11 केवी यूडीआईए (ष्ठ्ठ) फीडर पर आवश्यक रखरखाव और लाइनों की मरम्मत के चलते सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक बिजली बंद रखी जाएगी।विभागीय जानकारी के अनुसार शटडाउन के दौरान संबंधित क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के संचालन के साथ-साथ घरेलू विद्युत उपकरणों पर भी असर पड़ेगा।

इन इलाकों में रहेगा प्रभाव

ष्ठ्ठ फीडर से जुड़े स्वास्तिक प्रोसेज, एस.बी. सिल्क, आदर्श, राधिका, तुलसी, कोहिनूर, प्रताप, प्रिया और श्री श्रीनाथ प्रोसेज सहित अन्य औद्योगिक इकाइयों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इसके अलावा रोड़ास क्षेत्र, गिरिराज पेपर मिल, आरटीओ ऑफिस, बालाजी फिटनेस, वर्धन, सुखवाल बेकरी एवं आसपास के समस्त रिहायशी इलाकों में भी सप्लाई बाधित रहेगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने आवश्यक कार्य पूर्व में ही निपटा लें, ताकि शटडाउन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

वार्ड 31 के वासियों ने बुलंद की आवाज, पानी, सड़क और मुक्तिधाम के विकास की मांग

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। प्रदेश में शहरी विकास को गति देने के लिए चलाए जा रहे 'मुख्यमंत्री विकसित शहर अभियान' के तहत अब धरातल पर बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। इसी कड़ी में वार्ड नंबर 31 (वर्तमान 33) के निवर्तमान पार्षद दशरथ कुमार के नेतृत्व में वार्ड वासियों ने प्रशासन के समक्ष विकास कार्यों का खाका पेश किया और प्रमुख समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव दिए।

वार्ड वासियों ने क्षेत्र की बुनियादी जरूरतों को रेखांकित करते हुए प्रशासन से गुहार लगाई है। चर्चा के दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्यों को प्राथमिकता देने की मांग की गईः पेयजल एवं जल निकासीः सुचारू पानी की आपूर्ति और नालियों का निर्माण। सड़क एवं रोशनीः जर्जर सड़कों की मरम्मत और वार्ड के हर कोने में उचित लाइट व्यवस्था। स्वास्थ्य सेवाः वार्ड में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचने के लिए सुगम रास्ते का निर्माण, ताकि मरीजों को परेशानी न हो।

मुक्तिधाम और सामाजिक विकास की प्राथमिकता

वार्ड वासियों ने आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से मुक्तिधाम (शमशान) के विकास को अत्यंत आवश्यक बताया। विशेषकर वार्ड में स्थित रावत (कड़ेलवाल) समाज के शमशान के जीर्णोद्धार और वहां नागरिक सुविधाएं बढ़ाने के लिए सामाजिक व प्रशासनिक स्तर पर विशेष मांग रखी गई है। पेयजल एवं जल निकासीः सुचारू पानी की आपूर्ति और नालियों का निर्माण। सड़क एवं रोशनीः जर्जर सड़कों की मरम्मत और वार्ड के हर कोने में उचित लाइट व्यवस्था।

स्वास्थ्य सेवाः वार्ड में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचने के लिए सुगम रास्ते का निर्माण, ताकि मरीजों को परेशानी न हो।

मुक्तिधाम और सामाजिक विकास की प्राथमिकता

वार्ड वासियों ने आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से मुक्तिधाम (शमशान) के विकास को अत्यंत आवश्यक बताया। विशेषकर वार्ड में स्थित रावत (कड़ेलवाल) समाज के शमशान के जीर्णोद्धार और वहां नागरिक सुविधाएं बढ़ाने के लिए सामाजिक व प्रशासनिक स्तर पर विशेष मांग रखी गई है।

प्रमुख लोगों की उपस्थिति

प्रशासन को सुझाव देने और संवाद करने के दौरान निवर्तमान पार्षद के साथ सुखदेव सिंह कड़ीवाल, प्रभु सिंह कड़ीवाल, फतेह सिंह, योगेश छोटू जी सामरिया और गोरधन नागौरा सहित कई प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में वार्ड के चहुंमुखी विकास की उम्मीद जताई है।

नारी-आरक्षणः नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

ललित गर्ग

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतधार्रा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दशार्ता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण

को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निमार्ता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी, परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि इसे एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि सरकार, विपक्ष और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक नई दिशा निर्धारित कर सकता है। यही वह मार्ग है, जिस पर चलते हुए भारत एक सशक्त, समावेशी और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत कर सकता है।

संपादकीय

उम्मीदों का गलियारा

निस्संदेह, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन भारत के संरचनात्मक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। जो राष्ट्रीय राजधानी और उत्तराखंड के प्रवेश द्वार के बीच यात्रा के समय को छह घंटे से घटाकर ढाई घंटे करने का वायदा करता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित यह एक्सप्रेसवे उत्तराखंड ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योग व पर्यटन को बढ़ावा देगा। इंजीनियरिंग की विशिष्ट उपलब्धि से बढ़कर, परियोजना राजमार्गों की कल्पना में एक बड़े बदलाव का संकेत भी है। जो महज एक सड़क ही नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों, बाजारों और अवसरों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारा भी है। इस राजमार्ग के बनने से जहां परंपरागत मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा, वहीं बेहतर कनेक्टिविटी से देहरादून और मसूरी आदि अन्य हिल स्टेशनों में पर्यटन बढ़ेगा। निस्संदेह, इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। पश्चिमी उ.प्र. के सहारनपुर व शामली जैसे जनपदों, जिन्हें विकास की दौड़ में पर्याप्त अवसर नहीं मिले, उनके लिये भी वरदान साबित हो सकता है। माना जा रहा है कि खाद्यान्न, भंडारण और रियल एस्टेट में भी इस परियोजना के लाभ नजर आएंगे। कह सकते हैं कि यह एक्सप्रेसवे भारतमाला जैसी परियोजनाओं के तहत एकीकृत, उच्च गति वाले गलियारों के लिये केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के लक्ष्यों को पूरा करता है। वहीं दूसरी ओर इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें विकास और पारिस्थितिक संवेदनशीलता के मध्य सामंजस्य स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया गया है। प्रतिष्ठित राजाजी पार्क क्षेत्र से गुजरने वाला यह ऊंचा वन्यजीव गलियारा, जिसमें वन्य जीवों के लिये अंडरपास बनाये गए हैं ताकि उनके प्राकृतिक आवागमन मार्गों में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो। जो इस मान्यता की कसौटी पर खरा उतरता है कि विकास के बुनियादी ढांचे को प्रकृति के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। हाल के वर्षों में देश की विभिन्न बड़ी विकास योजनाओं वाले क्षेत्रों में वन्य जीवों और मनुष्य के बीच जो संघर्ष बढ़ा है, वो विकास को पर्यावरण व वन्यजीवों के अधिवास के अनुकूल ढालने की जरूरत बताता है। कर्नाटक के हाथी गलियारे- जो बांदीपुर,नागरहोल और आसपास के जंगलों को जोड़ते हैं, दशार्ते हैं कि कि कैसे संपर्क मार्गों से वन्य जीवों के प्रवास-मार्ग की सुरक्षा होती है। जिससे मानव व वन्य जीवों का संघर्ष कम होता है। ऐसे में यदि दिल्ली-देहरादून राजमार्ग में अभिनव प्रयास प्रभावी साबित होते हैं, तो यह नया एक्सप्रेसवे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में भविष्य की परियोजना के लिए एक आदर्श साबित हो सकता है। हालांकि, इस राजमार्ग को लेकर कुछ चिंताएं अभी बाकी हैं। राजमार्ग को पूरा करने के दौरान अंतिम समय में निर्माण कार्यों में किए गए सुधार और इसमें पहले हुई कुछ देरी की रिपोर्टों से कार्य निष्पादन की गुणवत्ता व समय सीमा के दबाव को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, किसी संरचना के बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन उद्घाटन की समय सीमा से नहीं बल्कि उसकी मजबूती, सुरक्षा उपायों और दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभावों के आधार पर ही होना चाहिए।

चिंतन-मनन

संयम से जीवन की उन्नति

कार्तिय माहात्म्य प्रवचनों में पं. रामनिवास ब्रजवासी जी ने कहा शरद ऋतु में की जाने वाली उपासनाओं से जहाँ चंद्र किरणों से प्राप्त होने वाले अमृत तत्व से देह का सिंचन होता है, वहीं सूर्य की रश्मियों की प्रचुर ऊर्जा से उस अमृत तत्व की शरीर में स्थिरता होती है इसीलिए कार्तिक मास में प्रात? पवित्र नदियों में स्नान कर भगवान विष्णु शालीग्राम स्वरूप की पूजा की जाती है। इन दिनों ब्रजवासी जी कार्तिक माहात्म्य के माध्यम से श्रद्धालुओं को उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान विष्णु के सहस्त्रनाम का पाठ करने से मनुष्य के जीवन में संयम एवं धर्म में चलने की प्रेरणा मिलती है। जीवन को उन्नत बनाने में संयम का बहुत महत्व है। संयमी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य को नहीं छोड़ता। शालिग्राम पूजन में पंचामृत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा गाय का दूध, दही, घी व शहद और शक्कर से शालिग्राम भगवान का अभिषेक करना चाहिए। वस्तुतः इन पांचों का मंत्रोच्चारण के साथ मिल जाना ही पाँच प्रकार के अमृतों का मिलना है। इसमें तुलसीदल डाल देने के बाद यह चरणामृत बन जाता है जिसका प्रसाद में ग्रहण कर लेने पर सभी प्रकार की आधियाँ-व्याधियाँ अर्थात मानसिक रोग तथा शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। हमारी उपासना विधियाँ जहाँ मनुष्य को धार्मिक बनाती है वही शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ भी बनाती है।

ज्वालामुखी बन सकती है मजदूर आंदोलन की चिंगारी

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यूनतम वेतन दरों में संशोधन को मंजूरी दे दी है। नोएडा में कर्मचारियों के उग्र प्रदर्शन के बाद योगी सरकार ने यह फैसला लिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार ये नई अंतरिम दरें 1 अप्रैल से लागू कर दी गई हैं। नोएडा में 13 अप्रैल को हुए श्रमिकों के विरोध-प्रदर्शन के बाद आज पूरे दिल्ली-एनसीआर में हाई अलर्ट है।मजदूरों के गुस्से को देख कर सरकार आनफुट आ गयी है। केंद्र सरकार मामले की मानिटरिंग कर रही है वहीं यूपी हरियाणा राजस्थान की प्रदेश सरकारें अपने अपने स्तर पर मजदूरों के आंदोलन के शमन और मजदूरों को भड़काने वाले लोगों की पहचान करने में लगे हुए हैं। सरकार का मानना है कि यह समिति संवाद और आपसी सहमति के जरिए विवादों को सुलझाएगी, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके और औद्योगिक माहौल स्थिर बना रहे।

उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में वेतन बढ़ोत्तरी समेत सामाजिक सुरक्षा के कई बिंदुओं को लेकर मजदूरों के आंदोलनों व उग्र प्रदर्शनों ने केंद्र तक को सतर्क कर दिया है। दरअसल, हरियाणा से शुरू हुई आग उत्तर प्रदेश पहुंच चुकी है। हरियाणा से सटे राजस्थान के इक्के दुक्के स्थानों पर छिटपुट घटना होकर फिलहाल शांत है। दरअसल पिछले कुछ दिनों से एलपीजी गैस नहीं मिलने से मजदूरों की परेशानी बढ़ी हुई थी और उनका गुस्सा आंदोलन में तब्दील हो गया।

पता हो कि दिल्ली से सटे नोएडा औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों का गुस्सा अब एक शहर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे दिल्ली-एनसीआर में फैला हुआ एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुका है. वेतन वृद्धि, महंगाई और श्रम सुविधाओं को लेकर शुरू हुआ यह विरोध अब कई जिलों में असर दिखा रहा है. नोएडा में चल रहे इस आंदोलन की शुरूआत 7 अप्रैल को गुरुग्राम के मानेसर इलाके से हुई थी, जहां मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू किया था.इसके बाद यह विरोध धीरे-धीरे नोएडा और फिर ग्रेटर नोएडा पहुंचा. अब इस आंदोलन का असर गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ तक में भी दिखाई दे रहा है. आज बड़ी संख्या में बुलंदशहर और गाजियाबाद में श्रमिकों ने प्रदर्शन किया और सड़कों को जाम कर दिया. गाजियाबाद में स्थिति इतनी खराब हो गई कि नोएडा-गाजियाबाद बॉर्डर पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया.

जान लीजिए नोएडा में यह आंदोलन 9 अप्रैल को फेस-टू थाना क्षेत्र में मौजूद होजरी कंपलेक्स से शुरू हुआ. जहां गारमेंट और होजरी यूनिट्स में काम करने वाले मजदूर फैक्ट्रियों के बाहर इकट्ठा हुए. वो वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए. शुरूआत में यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था. मजदूरों ने नारेबाजी और बातचीत के जरिए अपनी बात रखने की कोशिश कीअप्रैल से लेकर 11 अप्रैल तक आंदोलन बिना किसी हिंसा के चलता रहा. हालांकि, मजदूरों का कहना था कि उनकी मांगों पर कंपनियों और प्रशासन की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके बीच असंतोष लगातार बढ़ता गया. मजदूरों के आंदोलन की स्थिति ने 12 अप्रैल को बड़ा मोड़ लिया. ग्रेटर नोएडा के इकोटेक थर्ड इलाके में प्रदर्शन के दौरान मिंडा कंपनी के पास हालात अचानक बिगड़ गए. इस दौरान पुलिस कार्रवाई में गोली चलने की घटना सामने आई, जिसमें एक महिला मजदूर को गोली लग गई.यह घटना पूरे आंदोलन के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हुई. जैसे ही गोलीकांड की खबर फैली, मजदूरों में भारी आक्रोश फैल गया और आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया.

अगले ही दिन 13 अप्रैल यानी सोमवार की सुबह नोएडा के फेस-2, सेक्टर-62 और एनएच-9 जैसे प्रमुख इलाकों में हजारों मजदूर सड़कों पर उतर आए. इससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया. प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दी. डिवाइडर पर चढ़कर नारेबाजी की. कई जगह वाहनों को रोक दिया. इस दौरान हालात तेजी से बिगड़े और कई जगह तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आईं.

नोएडा के फेस-2 इलाके में कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया. इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. पुलिस और मजदूर आमने-सामने आ गए. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े. भारी पुलिस बल की तैनाती के बाद किसी तरह हालात को काबू में लाया गया, लेकिन तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है.

इस आंदोलन का सीधा असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक ढांचे पर पड़ा. फेस-2 के होजरी कंपलेक्स में करीब 500 कंपनियां संचालित होती हैं. वहीं, इकोटेक थर्ड के औद्योगिक क्षेत्र में भी करीब 400 से अधिक फैक्ट्रियां और निजी कंपनियां हैं. इनमें सैकड़ों की संख्या में मजदूर काम करते हैं. दोनों प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन प्रभावित हुआ और कई कंपनियों को अस्थायी रूप से काम बंद करना पड़ा. यह आंदोलन किसी एक कंपनी के खिलाफ नहीं, बल्कि कई कंपनियों के मजदूरों का सामूहिक विरोध है. अब इसका असर पूरे एनसीआर में दिखने लगा है. गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ जैसे जिलों में भी मजदूर सक्रिय हो गए हैं, जिससे आने वाले दिनों में आंदोलन और व्यापक होने की आशंका है.

मजदूरों की प्रमुख मांगों में न्यूनतम वेतन बढ़ाकर 26,000 रुपये प्रति माह करना, ओवरटाइम का भुगतान दोगुनी दर से करना, साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करना, समय पर वेतन भुगतान, सैलरी स्लिप देना और बोनस को सीधे बैंक खाते में समय पर भेजना शामिल है. उनका कहना है कि महंगाई के इस दौर में मौजूदा वेतन से गुजारा संभव नहीं है.

आपको बता दें राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यूनतम वेतन देश में सबसे अधिक है भाजपा के लिए परेशानी बढ़ेगी क्योंकि ये चारो राज्य भाजपा शासित हैं। ऐसे में केंद्रीय स्तर पर इन राज्यों की बैठकें कर स्थिति को संभालने की कोशिश होगी। उद्योगों को भी साथ लेकर चलने की जरूरत है और मजदूरों का ध्यान रखने की भी। मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए लेकिन उद्योगों की भी सुरक्षा होनी चाहिए।

पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में जिस तरह आग फैली है उसमें राजनीतिक मंशा देखी जा रही है क्योंकि अगले साल की शुरूआत में ही वहां चुनाव है। राजस्थान में भी न्यूनतम वेतन अपेक्षाकृत कम है लेकिन वहां भिवाड़ी के अलावा किसी स्थान पर कोई घटना नहीं हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस कमेटी का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के हितों की सुरक्षा के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों में शांति और संतुलन बनाए रखना है। गठित समिति की कमान औद्योगिक विकास आयुक्त को सौंपी गई है खास बात यह है कि समिति में श्रमिक संगठनों के पांच प्रतिनिधियों और उद्योग संगठनों के तीन प्रतिनिधियों को शामिल कर सभी पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।सरकार की प्राथमिकता मजदूरों के असंतोष को दबाने कम करने और विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए उकसाने मे नाकाम करने की है इसके लिए सरकार मजदूरों के हित मे हर कदम उठाने को तैयार है।

हाथियों की विरासतः जैव विविधता और पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

सुनील कुमार महला

पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान, विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को 'पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर' कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और इनके घटते अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को 'हाथी बचाओ दिवस' मनाया जाता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव-हाथी संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्त्रोतों के संतुलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनिवार्य है।

पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाथी पारिस्थितिकी तंत्र(इको-सिस्टम) को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं।मसलन, वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल(लीद) के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे टहनियाँ और झाड़ियाँ तोड़ते हैं, जिससे वन का घनत्व कम होता है और सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुँचता है, जिससे छोटे पौधों और घास को बढ़ने का अवसर मिलता है और जैव विविधता बनी रहती है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे बने गड्ढे अन्य जानवरों के लिए भी जल स्त्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा हाथियों के चलने से प्राकृतिक मार्ग (कॉरिडोर) बनते हैं, जो अन्य जीवों की आवाजाही को सरल बनाते हैं। उनका मल मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान कर उसे उर्वर बनाता है और पौधों की वृद्धि में सहायक होता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर हाथियों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट (2017) के अनुसार भारत में लगभग 29,000-30,000 जंगली हाथियों का अनुमान था, जबकि 2025 की नवीनतम डीएनए आधारित गणना के अनुसार इनकी संख्या लगभग 22,446 आंकी गई है। डीएनए आधारित गणना का अर्थ है जानवरों की संख्या का अनुमान उनके आनुवंशिक पदार्थ (जेनेटिक मैटेरियल) के आधार पर लगाना, न कि केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर गिनना। विश्व में हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियाँ पाई जाती हैं-अफ्रीकी हाथी जिनकी संख्या लगभग 4-5 लाख है तथा एशियाई हाथी जिनकी संख्या लगभग 50,000-60,000 के बीच है। भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60% से अधिक हिस्सा रखता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में मानव-हाथी संघर्ष वर्तमान समय की एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका मुख्य कारण वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार, मानव बस्तियों का बढ़ना और हाथियों के प्राकृतिक मार्गों (कॉरिडोर) का टूटना है। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष औसतन 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हाथियों के हमलों में होती है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 628 तक पहुँच गई, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले पाँच वर्षों में 2,800 से अधिक मानव मौतें दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2009-2024 के बीच लगभग 8,000 मानव मौतें हुई हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ हैं।

दूसरी ओर, हाथियों की मृत्यु भी मानव गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मौत मानवजनित कारणों से हुई है, जिनमें लगभग 69% मौतें बिजली के करंट से और लगभग 16% रेल दुर्घटनाओं से हुई हैं। पिछले पाँच वर्षों में 528 हाथियों की मौत दर्ज की गई है, जबकि प्रतिवर्ष औसतन 100 से अधिक हाथी मानव-हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं। इसके अतिरिक्त अवैध शिकार, जहर देकर मारना तथा पटाखों या जहर मिले फलों से भी हाथियों की मृत्यु के मामले सामने आते रहे हैं। हाल ही में केरल में पटाखों से भरे फल खाने से हाथी की मृत्यु हुई तथा कर्नाटक में किसान की हाथी हमले में मृत्यु की घटना भी दर्ज की गई।

एक गंभीर घटना 20 दिसंबर 2025 को असम के होजाई जिले में हुई, जहाँ सैरंग-नई दिल्ली एक्सप्रेस

गाड़ी तेज गति से गुजर रही थी और लगभग 100 हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। लोको पायलट द्वारा आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद ट्रेन नहीं रुक सकी और टक्कर हो गई, जिसमें 7 हाथियों की मौके पर तथा एक घायल हाथी की बाद में मृत्यु हो गई, इस प्रकार कुल 8 हाथियों की जान गई। यह घटना उस क्षेत्र में हुई जहाँ हाथियों का प्राकृतिक आवागमन रेलवे ट्रैक के पास से होता है, लेकिन सुरक्षा उपायों और चेतावनी प्रणालियों की कमी के चलते यह हुआ। इस प्रकार भारत में जहाँ एक ओर मानव जीवन हाथियों के कारण प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर हाथी भी मानव गतिविधियों से गंभीर खतरे में हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दशार्ती है कि जंगलों का संरक्षण, हाथी कॉरिडोर की सुरक्षा, सुरक्षित रेलवे और बिजली व्यवस्था, तकनीकी निगरानी (जैसे जीपीएस ट्रैकिंग और अलर्ट सिस्टम) तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, ताकि मानव और वन्यजीव दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके और हमारा पारिस्थितिकी तंत्र व पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

अप्रैल में फैमिली के साथ इन शानदार जगहों को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, हर पल रहेगा यादगार

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

हर कोई परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना चाहता है। इसलिए जब भी लोगों को समय मिलता है, तो वह अपने परिवार के साथ पसंदीदा जगहों पर पहुंच जाते हैं। अप्रैल के महीने में कई लोग अपने परिवार के साथ घूमने-फिरने के लिए निकलते हैं। अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। गर्मी के कारण लोग फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर मौज-मस्ती का प्लान बनाते हैं। लेकिन लोग सही जगह का चुनाव नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

मैक्लॉडगंज

अगर आप अप्रैल के महीने में हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में फैमिली संग घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो मैक्लॉडगंज आपके लिए परफेक्ट जगह है। यह हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन है। जोकि धर्मशाला से करीब 5 किमी दूर है।

अप्रैल में मैक्लॉडगंज का मौसम सुहावना रहता है। इस दौरान आप अपने परिवार के साथ यहां पर यादगार पल बिता सकते हैं। आप मैक्लॉडगंज में फैमिली के साथ सेंट जॉन चर्च, नड्डी व्यू पॉइंट, भागसूनाग वाटरफॉल और डल झील जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

बेताब वैली

जब भी जम्मू-कश्मीर में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले गुलमर्ग, श्रीनगर या फिर सोनमर्ग का नाम लेते हैं। लेकिन आप इन सभी से हसीन बेताब वैली को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह वैली जम्मू-कश्मीर का वह छिपा हुआ खजाना है, जिसकी खूबसूरती देखकर आप खुशी से झूम उठेंगे।

बेताब वैली में घास के मैदान, शांत और शुद्ध वातावरण और झील झरने इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। वहीं बॉलीवुड की कई फिल्मों की यहां पर शूटिंग हो चुकी है। अप्रैल के महीने में यहां का तापमान एकदम सुहावना रहता है।

झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है दशम जलप्रपात

दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 34 किलोमीटर दूर, तैमारा गाँव के समीप स्थित दशम जलप्रपात (Dassam Falls), राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह जलप्रपात कांची नदी पर स्थित है, जो सुवर्णरेखा नदी की एक सहायक नदी है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

जलप्रपात की विशेषताएँ

ऊँचाई : दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है।

नाम की उत्पत्ति : स्थानीय मुंडारी भाषा में फ्रदाशोंगफ्र का अर्थ होता है पानी का गिरना । समय के साथ यह शब्द दशम में परिवर्तित हो गया।

प्राकृतिक संरचना : यह जलप्रपात एक निक पॉइंट का उदाहरण है, जहाँ नदी की ढलान में अचानक परिवर्तन होता है, जिससे जलप्रपात का निर्माण होता है।

दृश्य सौंदर्य : जलप्रपात के चारों ओर घने जंगल और चट्टानी क्षेत्र हैं, जो इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से दशम जलप्रपात तक पहुँचने के लिए NH-33 (अब NH-18) का उपयोग किया जा सकता है। अंतिम 10 किलोमीटर की यात्रा गाँव की सड़कों से होती है, जो संकरी लेकिन ड्राइविंग के लिए उपयुक्त हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन रांची है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से जलप्रपात तक पहुँचा जा सकता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मानसून (जुलाई से सितंबर)- इस अवधि में जलप्रपात अपने पूर्ण प्रवाह में होता है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

शीतकाल (अक्टूबर से फरवरी) : इस समय मौसम सुखद होता है और भीड़ भी कम होती है, जिससे यात्रा अधिक आनंददायक होती है।

सुरक्षा सुझाव

जलप्रपात के नीचे तैराकी या स्नान से बचें, क्योंकि यहाँ की जलधारा तेज होती है और कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं।

फिसलन से बचने के लिए उपयुक्त जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

अपने साथ पानी और हल्का नाश्ता रखें, क्योंकि आसपास सीमित सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अतिरिक्त जानकारी

प्रवेश शुल्क : नि :शुल्क

पार्किंग : पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है, जहाँ 30 का शुल्क लिया जाता है।

सीढ़ियाँ : जलप्रपात के तल तक पहुँचने के लिए लगभग 300 सीढ़ियाँ उतरनी पड़ती हैं, जो अच्छी तरह से निर्मित हैं।

दशम जलप्रपात, झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है। यह स्थान न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए, बल्कि फोटोग्राफरों और शांत वातावरण की तलाश करने वालों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य है। यदि आप झारखंड की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो दशम जलप्रपात को अपनी सूची में अवश्य शामिल करें।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना है कोयनानगर, मानसून में यहां घूमना है जन्नत के बराबर

कोयनानगर को महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

देश के पश्चिमी भाग में स्थित महाराष्ट्र एक प्रमुख राज्य होने के साथ ही खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। यह एक ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ तो दूसरी ओर अरब सागर से घिरा है। महाराष्ट्र अपनी खूबसूरती के कारण पर्यटकों के अपनी ओर आकर्षित करता है। महाराष्ट्र में कई ऐसी हसीन, ऐतिहासिक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से लेकर लोनावाला, खंडाला और माथेरान जैसी जगहों के बारे में तो हर कोई जानता है, लेकिन यहां पर स्थित कोयनानगर के बारे में कम लोग जानते हैं। इस जगह को महाराष्ट्र का छिरा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में कोयनानगर

कोयनानगर महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित है। सतारा जिला खूबसूरत पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। वहीं कोयनानगर को कोयना के नाम से भी जाना जाता है।

सतारा जिले में कोयना नदी के किनारे कोयनानगर है। यह सतारा शहर से कुछ ही दूरी पर बसा है। कोयनानगर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 294 किमी दूर है। पूणे से 190 किमी और सांगली से 130 किमी दूर है।

कोयनानगर की खासियत

कोयनानगर चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है और यह कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। कोयनानगर में स्थित कोयना बांधा भारत की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं में से एक माना जाता है।

कोयना बांध के पीछे स्थित शिवसागर जलाशय भी कोयनानगर को खास बनाने का काम करता है। यह जगह सतारा जिले के साथ ही पूरे महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

कोयनानगर की खूबसूरती

बता दें कि कोयनानगर को खूबसूरती का खजाना माना जाता है। यह जगह शहर की भीड़-भाड़ से दूर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। कोयनानगर की हरियाली यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है।

यहां पर क्रिस्टल क्लियर झील, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घने जंगल देखने को मिलेंगे। वहीं वीकेंड पर कई पर्यटक यहां पर पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। वहीं मानसून में कोयनानगर की खूबसूरती देखने लायक होती है।

कोयनानगर में घूमने की जगहें

कोयनानगर में कई शानदार और बेहतरीन जगहें हैं, जहां पर घूमने के बाद आप महाराष्ट्र की फेमस जगहों को भूल जाएंगे। यहां पर कोयना डैम, कोयना नदी, नेहरु गार्डन और कोयनानगर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी आदि खूबसूरत जगहें मौजूद हैं।

कोयनानगर के आसपास कामरगांव, हूंबर्ली, वजेगांव, ओजार्डे वॉटरफॉल और कोयना बैकवाटर व्यू पॉइंट जैसी जगहों को घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचे कोयनानगर

यहां पर पहुंचना बहुत आसान है, कोयनानगर का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट पुणे है। जोकि करीब 192 किमी दूर है। वहीं कोयनानगर का नजदीकी रेलवे स्टेशन चिपलून है जो 42 किमी दूर है। पुणे से चिपलून के लिए लोकल ट्रेन आदि चलती हैं और यह शानदार जगह चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com